सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अभिषेक शर्मा को अस्पताल से मिली छुट्टी पेज: 7

'भागम भाग 2 में हुई मनोज बाजपेयी की एंट्री! गोविंदा को करेंगे पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 303 | गुरुवार 12 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

यूपी बजट में महिलाओं, युवाओं और किसानों को योगी सरकार की सौगात, जानें किसको क्या मिला?

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपनी सरकार का 10वां बजट प्रस्तुत करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस बजट में नई योजनाओं के लिए 43,565 करोड़ रुपये से अधिक का महत्वपूर्ण आवंटन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 2026-27 की योजना में राज्य भर में विकास को गति देने के लिए आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बजट में 43,565 करोड़ रुपये से अधिक की राशि केवल नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित की गई है। 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पूंजीगत व्यय के लिए है... यह अर्थव्यवस्था

को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और इससे रोजगार सृजन भी होगा... यह हमारी सरकार का 10वां बजट है, और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को 10वां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी छवि बदलने के प्रयास किए हैं... यह बजट उन्हीं भावनाओं को दशार्ता है... 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश का बजट तीन गुना से अधिक बढ़ गया है। यह बजट महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं की क्षमता, किसानों के कल्याण और

2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रस्ताव रखा है

उत्तर प्रदेश के 2026-27 बजट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई योजनाओं के लिए 43,565 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय हेतु 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रस्ताव रखा है, जिसका लक्ष्य आर्थिक स्थिरता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।

रोजगार पर केंद्रित है। इससे पहले, बुधवार को उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में 2026-27 का राज्य बजट पेश किया, जिसमें उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार के पिछले और वर्तमान कार्यकाल के दौरान हासिल किए गए सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला। राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्थिति और औद्योगिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में बेहतर रैंकिंग का उल्लेख किया। खन्ना ने राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडिया इंडेक्स में रैंकिंग 2018-2019 में 29वें स्थान से सुधरकर 2023-2024 में 18वें स्थान पर पहुंच गई है। राज्य सरकार ने फरवरी 2024 में चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार सृजित होने की संभावना है। इनमें से चार परियोजनाओं के लिए 16,000 से अधिक परियोजनाओं का शिलान्यास किया जा चुका है, जिनमें लगभग 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश शामिल है," । बजट सत्र 9 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का बजट 11 फरवरी को प्रस्तुत किया जाएगा।

रिजिजू का राहुल गांधी पर तंज, संसद में बच्चों जैसा व्यवहार करना ठीक नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की आत्मकथा को लेकर चल रहे विवाद के बीच जमकर निशाना साधा और उनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को "राजनीतिक हथियार" के रूप में इस्तेमाल न करने को कहा। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए रिजिजू ने उनसे बच्चों जैसा व्यवहार न करने को कहा। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं राहुल गांधी को सबक नहीं सिखा सकता। मुझे समझ नहीं आता कि वे किस दुनिया में रहते हैं। कौन सी विचारधारा उनके कार्यों को प्रेरित करती है? रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्यों को उन्हें समझाना चाहिए कि संसद इस तरह काम नहीं कर सकती। यहां बच्चों जैसा व्यवहार न करें। हमारा देश विशाल है

मोहाली में हड़कंप! 16 निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में कुछ नहीं मिला

नई दिल्ली एजेंसी: पंजाब के मोहाली में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब शहर के 16 प्रतिष्ठित निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने तुरंत स्कूलों को खाली कराया और गहन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। धमकी भरे ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए मामले को मोहाली के फेज-7 स्थित साइबर पुलिस थाने को सौंप दिया गया है। तकनीकी टीमें अब आईपी एड्रेस और ईमेल के ओरिजिन की जांच कर रही हैं। मोहाली में 16 निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी अधिकारियों ने बताया कि गहन जांच के बाद किसी भी स्थान पर कोई संदिग्ध या विस्फोटक

सामग्री बरामद नहीं हुई। विद्यालय के अधिकारियों ने अभिभावकों को संदेश भेजकर छुट्टी की घोषणा की। उन्होंने बताया कि स्कूल आ रहे छात्रों को वापस घर भेज दिया गया। मानव मंगल स्कूल, शिवालिक पब्लिक स्कूल और लर्निंग पाथ्स स्कूल उन विद्यालयों में शामिल हैं जिन्हें बम की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए। पुलिस ने बताया कि विद्यालय के अधिकारियों ने सुबह साढ़े सात बजे से आठ बजे के बीच ईमेल प्राप्त होने की सूचना दी थी जिसके बाद उन्होंने कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि विद्यालयों द्वारा अलर्ट जारी करने के बाद पुलिस ने शिक्षण संस्थानों की गहनता से जांच की। उन्होंने बताया कि जिन विद्यालयों को धमकी भरे ईमेल मिले हैं, उनमें सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमनदीप सिंह हंस ने पत्रकारों से कहा, पुलिस अधीक्षकों, पुलिस उपाधीक्षकों और अन्य अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीम को निरीक्षण टीम और बम निरोधक दस्तों के साथ विद्यालयों में भेजा गया। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान में करीब 300 पुलिसकर्मी शामिल रहे और सभी 16 विद्यालयों को खाली करा लिया गया। हंस ने कहा कि फतेहगढ़ साहिब, रूपनगर और चंडीगढ़ मुख्यालय के आस पास के जिलों से अतिरिक्त बल और विशेष टीम के सहयोग से लगभग ढाई घंटे के भीतर सभी वद्यालयों की जांच पूरी कर ली गई। उन्होंने कहा, किसी भी स्थान पर कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली।

'मौलाना' संग फोटो पर बवाल, हिमंत सरमा का पवन खेड़ा पर पलटवार, कांग्रेस का दांव उल्टा पड़ गया

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर पलटवार किया, जिन्होंने बांग्लादेश से जुड़े एक मौलाना के साथ मुख्यमंत्री की कथित तस्वीर साझा की थी। खेड़ा ने दावा किया कि तस्वीर साझा करना "तीर का उल्टा लगना" है और कांग्रेस में रहते हुए उन्हें भी मौलानाओं से मिलने के लिए कहा गया था। खेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उन्हें ढाका में चिश्तिया सैदिया दरबार शरीफ के साथ मुख्यमंत्री की एक तस्वीर भेजी गई थी, जिनके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पाकिस्तान समर्थक जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन और आलिया मदरसा से संबंध हैं। उन्होंने मुलाकात की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए

पूछा कि "अगर इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं था, तो इसे पहले से क्यों नहीं बताया गया? सरमा ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि वही "मौलाना" पहले पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई और उनके बेटे, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई से मिल चुके थे। उन्होंने लिखा कि पवन खेड़ा जी सार्वजनिक रूप से मेरी तस्वीर एक मौलाना के साथ साझा कर रहे हैं। यह तो तीर का उल्टा लगना है। उनकी जानकारी के लिए मैं स्पष्ट कर दूं कि वही मौलाना आदरणीय तरुण गोगोई जी के आवास पर तब आए थे जब वे मुख्यमंत्री थे, और उनके बेटे गौरव गोगोई से भी मिले थे। सरमा ने आगे दावा किया कि कांग्रेस में रहते हुए उन्हें अक्सर विभिन्न मौलानाओं से मिलने के लिए कहा जाता था, और इसे उन्होंने पार्टी छोड़ने के अपने फैसले का एक मुख्य कारण बताया। गौरतलब है कि असम के मंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने वैचारिक मतभेदों के चलते 2015 में कांग्रेस पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। यह फोटो विवाद 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले सत्ताधारी भाजपा और कांग्रेस के बीच बढ़ते हमलों के बीच सामने आया है। इससे पहले, सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर तीखे आरोप लगाते हुए दावा किया था कि उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई के पाकिस्तानी संबंध हैं, जिसे गोगोई ने "बेबुनियाद और निराधार आरोप" बताकर खारिज कर दिया था। इस गरमागरम बहस के बीच, सरमा ने यह भी घोषणा की कि गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तान स्थित व्यक्तियों से कथित संबंधों की विशेष जांच टीम (एसआईटी) की जांच को एक केंद्रीय एजेंसी को सौंप दिया जाएगा।

एपस्टीन से क्या था रिश्ता? हरदीप पुरी ने खोला राज, राहुल गांधी के आरोपों को बताया निराधार

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को राहुल गांधी द्वारा लगाए गए उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें उन्हें कुख्यात एपस्टीन कांड से जोड़ा गया था। उन्होंने कहा कि वे यौन अपराधी से अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान (आईपीआई) के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में मिले थे। राहुल गांधी के लोकसभा में दिए गए सनसनीखेज भाषण के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री ने यह स्पष्टीकरण दिया। पुरी ने स्पष्ट किया कि एपस्टीन के साथ उनकी मुलाकातों का दिवंगत अमेरिकी फाइनेंसर के खिलाफ लगे आरोपों से कोई संबंध नहीं था। राहुल गांधी के भाषण पर हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हमारे पास एक युवा नेता हैं जिन्होंने आज संसद के समक्ष कुछ मुद्दे रखे। उन्हें निराधार आरोप लगाने की आदत है। दो प्रकार के नेता होते हैं: एक वे जो राजनीतिक व्यवस्था में जिम्मेदारी ग्रहण करते हैं और अपना जीवन समाज सेवा, देश के रूपांतरण के लिए समर्पित करते हैं,

और दूसरे वे जो अपना जीवन इस बात को सुनिश्चित करने में लगाते हैं कि उनके जीवनकाल में देश दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाए। और फिर कुछ ऐसे नेता भी होते हैं जो कभी-कभार देश में आते हैं, और जब वे संसद में आते हैं, तो किसी के द्वारा ठोस जवाब दिए जाने पर और उनकी बात न सुनने पर सदन से बाहर चले जाते हैं। आज वे अपने भाषण के बाद ही चले गए। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि युवा नेता को यह पता होना चाहिए कि एपस्टीन फाइल्स कुकर्मों और आपराधिक मामलों से संबंधित हैं। एपस्टीन फाइल्स में उन आरोपों का जिक्र है कि उनके पास एक द्वीप था जहां वे लोगों को उनकी यौन कल्पनाओं को पूरा करने के लिए ले जाते थे, उन पर बाल यौन शोषण के आरोप हैं, और इसके पीड़ित भी हैं।

उन पीड़ितों ने अधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए हैं। मेरी बातचीत का इससे कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि आईपीआई में मेरे बॉस एपस्टीन को जानते थे और मैं उनसे प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में केवल कुछ मौकों पर, सटीक रूप से कहें तो 3 या अधिकतम 4 बार ही मिला था।

गठबंधन रहेगा, पर मंत्री पद नहीं! एमके स्टालिन ने कांग्रेस के लिए तमिलनाडु में खींची 'रेड लाइन'

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए, क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में बोलते हुए, स्टालिन ने कांग्रेस जैसे डीएमके के सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के साझा शासन मॉडल को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। हाल ही में कांग्रेस के भीतर से कुछ नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की मांग उठाई थी। स्टालिन ने जोर देकर कहा कि सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं होगी। स्टालिन ने कहा कि शासन में हिस्सेदारी की मांग तमिलनाडु पर लागू नहीं होती। वे इसे हमसे बेहतर जानते हैं। यह नारा उन लोगों की सोची-समझी साजिश है जो हमें एकजुट नहीं देख सकते। हालांकि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निश्चित रूप से डीएमके गठबंधन में बनी रहेगी। हमारा गठबंधन सौहार्दपूर्ण है। मीडिया जानबूझकर कुछ अनावश्यक धारणाएं बना रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपने संबंधों को दोनों पार्टियों के बीच निरंतर गठबंधन का एक महत्वपूर्ण तत्व बताया। गांधी ने डीएमके नेता कनिमोझी से बातचीत करके गठबंधन में तनाव कम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है ताकि कांग्रेस डीएमके के साथ बनी रहे। स्टालिन ने कहा कि राहुल गांधी मेरे भाई जैसे हैं; वे मेरे परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने खुद भी कई बार यह कहा है। हमारा रिश्ता राजनीति से परे है। इससे पहले, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सेल्वा पेरुंथगई ने भी संकेत दिया था

'पीएम मोदी दबाव में हैं', एपस्टीन फाइलें का जिक्र कर राहुल गांधी ने सरकार पर किया सीधा वार

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को सवाल उठाया कि उद्योगपति अनिल अंबानी जेल में क्यों नहीं हैं। उन्होंने संसद में आरोप लगाया कि एपस्टीन से संबंधित फाइलों में उनका नाम है। लोकसभा में अपने भाषण के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का भी जिक्र किया और दावा किया कि पुरी जानते हैं कि अनिल अंबानी को एपस्टीन से किसने मिलवाया था। राहुल गांधी ने कहा कि एक व्यवसायी अनिल अंबानी हैं, मैं पूछना चाहता हूं कि वह जेल में क्यों नहीं हैं? कारण यह है कि उनका नाम एपस्टीन फाइलों में है। मैं हरदीप पुरी से भी पूछना चाहता हूं कि उन्हें एपस्टीन से किसने मिलवाया था। मैं जानता हूं कि उन्हें किसने मिलवाया था, और हरदीप पुरी भी जानते हैं कि उन्हें किसने मिलवाया था। केंद्रीय बजट पर अपने भाषण के बाद, कांग्रेस नेता ने दिल्ली

में पत्रकारों से बात करते हुए अपने आरोपों को दोहराया और दावा किया कि प्रधानमंत्री सीधे दबाव में हैं। गांधी ने पत्रकारों से कहा कि मैंने कहा है कि मैं आंकड़ों की प्रामाणिकता की पुष्टि करूंगा। न्याय विभाग के पास एपस्टीन मामलों से संबंधित फाइलें हैं जिनमें हरदीप पुरी और अनिल अंबानी के नाम हैं। अडानी के खिलाफ चल रहे एक मामले में समन जारी किए गए हैं। भारत सरकार ने पिछले 18 महीनों से कोई जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री पर सीधा दबाव है। मुख्य बात यह है कि सामान्य परिस्थितियों में कोई भी प्रधानमंत्री ऐसा नहीं करेगा। सामान्य परिस्थितियों में कोई भी प्रधानमंत्री आंकड़ों, किसानों, ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा के मामले में ऐसा नहीं करेगा। कोई व्यक्ति ऐसा तभी करेगा जब उस पर कोई दबाव हो। 31 जनवरी को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने हाल ही में जारी एपस्टीन फाइलों के कथित हिस्से के रूप में सामने आए एक ईमेल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2017 की इजराइल यात्रा के संदर्भों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस संदर्भ को एक दोषी अपराधी की बेतुकी बकवास करार दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमें तथाकथित एपस्टीन फाइलों से संबंधित एक ईमेल संदेश की रिपोर्ट मिली है जिसमें प्रधानमंत्री और उनकी इजराइल यात्रा का जिक्र है।

अगले साल होने वाले यूपी चुनाव से पहले योगी सरकार लाई अंतिम पूर्ण बजट, अखिलेश यादव बोले- इनकी विदाई अब तय है

लखनऊ एजेंसी: वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का बजट आकार, सोच और संकेत तीनों स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संदेश देता दिखा है। करीब 9.13 लाख करोड़ रुपये का यह बजट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट है, ऐसे में इसकी राजनीतिक अहमियत भी साफ है क्योंकि अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। योगी सरकार ने इस बजट को सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान, हर हाथ को काम और तकनीक आधारित समृद्धि की थीम से जोड़ा है। हम आपको बता दें कि नई योजनाओं के लिए 43,565 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान और पूंजीगत व्यय पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जोर इस बात का संकेत है कि सरकार सड़क, सेतु, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और डिजिटल ढांचे पर आक्रामक निवेश जारी रखना चाहती है। पूंजीगत व्यय को रोजगार सृजन का इंजन मानते हुए यूपी सरकार का दावा है कि इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने बजट भाषण में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, उद्योग और पुलिस सुदृढ़ीकरण पर बड़े प्रावधान गिनाए। चिकित्सा शिक्षा, नए मेडिकल कॉलेज, आयुष्मान योजना, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, स्मार्ट स्कूल, युवा सशक्तिकरण के तहत टैबलेट और स्मार्टफोन, एमएसएमई प्रोत्साहन, डिफेंस इंडस्ट्रियल कोरिडोर, एआई मिशन और डाटा सेंटर जैसे कदम विकास को बहु आयामी दिशा देने की कोशिश दिखाते हैं। पर्यटन, संस्कृति और तीर्थ विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। सुरेश खन्ना ने बताया कि उप्र श्री नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद द्वारा नैमिषारण्य क्षेत्र में पर्यटन अवस्थापना विकास के लिए 100 करोड़ रुपये प्रस्तावित है। इसके अलावा विंध्यवासिनी धाम तथा वाराणसी में पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए 100-100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। उधर, बजट को

सराहते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश ने नीति गत ठहराव की स्थिति से निकलकर अपनी छवि बदली है। उन्होंने कहा कि बिना नया कर लगाए, कर संग्रह में सुधार, रिसाव पर रोक और बेहतर वित्त प्रबंधन से प्रदेश को राजस्व अधिशेष की दिशा में ले जाया गया। सरकार ने यह भी कहा कि कर्ज अनुपात को नियंत्रित करने, कानून व्यवस्था मजबूत करने और निवेश माहौल सुधारने से उत्तर प्रदेश देश की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में जगह बना रहा है। बेरोजगारी दर में कमी और निवेश प्रस्तावों को भी मुख्यमंत्री ने अपनी उपलब्धि बताया। हालांकि विपक्ष इस बजट से सहमत नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे चुनाव पूर्व दिखावा बताते हुए कहा कि आम जनता को महंगाई, आय और रोजगार पर ठोस राहत नहीं दिखती। विपक्षी नेताओं ने कहा कि बड़े आकार के बजट का मतलब जमीन पर बड़े परिणाम नहीं होता और कई पुरानी घोषणाएं अब भी अधूरी हैं। विपक्ष ने बजट को निराशाजनक करार देते हुए आरोप लगाया कि सरकार प्रचार पर ज्यादा, जन सरोकार पर कम ध्यान दे रही है। विपक्षी समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने तो अपनी प्रेस कांफ्रेंस की शुरूआत ही पहेली बुझाकर कटाक्ष रूप से की। वहीं सपा के अन्य नेताओं ने भी बजट को निराशाजनक बताया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य विधानमंडल में प्रस्तुत किये गये वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को सत्तारुढ़ भाजपा का विदाई बजट करार देते हुए आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी और अपने प्रचार के माध्यम से जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। सपा प्रमुख ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए संवाददाताओं से कहा, "यह विदाई बजट है। इसके साथ ही भाजपा की विदाई भी तय है। इसके बाद अब वे लौटने वाले नहीं हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल आंकड़ों से और अपने प्रचार के माध्यम से जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। यादव ने कहा, ह्लयह बजट केवल बड़े आकार का है। जनता की भलाई के लिये इसमें कुछ भी नहीं है। अगर बजट आकार में सबसे बड़ा है तो क्या हुआ? उससे गरीब जनता, किसानों तथा नौजवानों को कितना लाभ मिल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार पर पिछले बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च नहीं कर पाने का आरोप लगाते हुए कहा, "आकार बड़ा है, मगर खर्च कितना किया... अगर हम पिछले बजट से तुलना करें तो जो औसत आ रहा है,

संपादकीय

जन समस्याओं का हल सांत्वना का भ्रम

सालाना बजट आज महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। बुनियादी आर्थिक समस्याओं के हल की बात उसके दायरे से बाहर हो चुकी है।

कांग्रेस की राय में केंद्रीय बजट अर्थव्यवस्था की बुनियादी चुनौतियों से आंख मिलाने में नाकाम रहा। दरअसल, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तो यहां तक कहा कि वित्त मंत्री ने उन चुनौतियों को सिरे से नजरअंदाज कर दिया। मसलन, अमेरिकी टैरिफ से कारखाना उत्पादकों और निर्यातकों के सामने आई चुनौतियों, व्यापार घाटे, निम्न ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन, एफडीआई की अनिश्चितता, राजकोषीय सेहत में सुधार की धीमी गति, महंगाई के सरकारी आंकड़ों एवं अनुभवजन्य स्थिति में फर्क, लाखों एमएसएमई इकाइयों के बंद होने, बेरोजगारी, और शहरी बुनियादी ढांचे में लगातार गिरावट पर निर्मला सीतारमन ने चुप्पी साध ली। ये आलोचना वाजिब है। यह हकीकत है कि आज सालाना बजट महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है।

मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था जब असल में मोनोपॉली पूंजीवाद का रूप ले चुकी हो, तो बिना उस ढांचे को चुनौती दिए सरकारें अक्सर ढांचागत समस्याओं का हल निकालने में अक्षम हो जाती हैं। नतीजतन, बजट के जरिए शायद ही बाजार में मांग और निजी निवेश की स्थितियां बनाई जा सकती हैं। बिना ऐसा हुए ना तो रोजगार सृजन संभव है, और ना ही मानव विकास या रहन-सहन की बेहतर सूरत बनाना। देसी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं नहीं होगी, तो भारतीय उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में टिकने की बात महज एक खामख्याली ही है। बाकी जहां तक व्यापार घाटा, पर्याप्त मात्रा में एफडीआई ना आना या पोर्टफोलियो इन्वेस्टरों के भारत से पैसा निकालने, या रुपये की कीमत मे गिरावट की बात है, तो वे जारी हालात के नतीजे हैं। यथार्थ तो यह है कि लगातार अपनी ताकत कॉरपोरेट सेक्टर को ट्रांसफर करती गई सरकार की अब ऐसे मसलों का हल ढूंढने की काबिलियत अब काफी हद तक क्षीण हो चुकी है। इस हाल में आबादी के कुछ समूहों को नकदी हस्तांतरण कर चुनावी लाभ की योजनाएं शुरू करने से आगे कुछ करने को वह सोच नहीं पाती। उन योजनाओं के जरिए जन समस्याओं का हल करने की सांत्वना का भ्रम वह पैदा करती है।

चिंतन-मनन

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक- सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पाषर्द बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है।

जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार के प्रति अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है। यदि कोई चाहे कि केसरिया वस्त्र पहनने से भौतिक जगत के आकषर्ण से विच्छेद हो जाएगा, तो ऐसा संभव नहीं है। उसे भगवद्भक्ति के प्रति आसक्त होना पड़ेगा। यहां परमं मम शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में जगत का कोना-कोना भगवान की सम्पत्ति है, परंतु दिव्य जगत परम है और छह ऐयरे से पूर्ण है। कठोपनिषद् में भी इसकी पुष्टि की गई है कि दिव्य जगत में सूर्यप्रकाश, चन्द्र प्रकाश या तारागण की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि समस्त आध्यात्मिक आकाश भगवान की आन्तरिक शक्ति से प्रकाशमान है। उस परम धाम तक केवल शरणागति से ही पहुंचा जा सकता है, अन्य किसी साधन से नहीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

धर्म, समाज और राष्ट्र की चेतना जगाने वाले स्वामी दयानंद

योगेश कुमार गोयल

आर्य समाज के संस्थापक के रूप में वंदनीय महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था और 12 फरवरी को उनकी जयंती मनाई जाएगी। स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और एक सन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया।

देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और ह्यस्वराजह्ल का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और ह्यस्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार हैह्ल का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब ह्यसत्यार्थ प्रकाशह्ल आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें ह्यसन्यासी योद्धाह्ल भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे।

स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, सन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे।

स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा ह्यहिन्दीह्ल बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि ह्यमनुष्यताह्ल और ह्यआत्मविवेकह्ल क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। दरअसल उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं, इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है। वह कहा करते थे कि दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए और तब आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा। उनका कहना था कि अज्ञानी होना गलत नहीं है लेकिन अज्ञानी बने रहना गलत है।

बांग्लादेश चुनाव बाद तय होगी दोस्ती या दुश्मनी

डॉ हिदायत अहमद खान

बांग्लादेश में अचानक जेन-जी आंदोलन और हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से हटते हुए भारत में शरण लेती हैं। इसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस की अंतरिम सरकार सत्ता की बागडोर संभालती है और फिर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को तोड़ने-मरोड़ने का खेल शुरू हो जाता है। सबसे भरोसेमंद और हितैषी पड़ोसी मित्र देश को दूर करने और दुश्मनों को गले लगाने का काम भी होता है। इस दौरान न हिंसा रुकती है और न ही हालात बदलते हैं। इसी के साथ चुनाव की तारीख भी सामने आ जाती है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर भर नहीं हैं, बल्कि वे देश की वैचारिक दिशा, लोकतांत्रिक विश्वसनीयता और पड़ोसी देशों खासकर भारत से रिश्तों की जमीन तय करने वाले निर्णायक मोड़ साबित होंगे। कुल 300 सीटों में से 299 सीटों पर मतदान और ह्यजुलाई चार्टरह्ल पर जनमत संग्रह के साथ यह चुनाव कई स्तरों पर महत्वपूर्ण होने वाले है। बावजूद इसके जिस राजनीतिक माहौल में चुनाव कराए जा रहे हैं, उससे इसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर पहले से ही गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल अवामी लीग को चुनाव लड़ने की अनुमति न दिए जाने को लेकर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली यह पार्टी बांग्लादेश की राजनीति की केंद्रीय धुरी रही है। ऐसे में उसका चुनावी मैदान से बाहर होना लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की आत्मा को कमजोर करता है। अवामी लीग के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने चुनाव को सुनियोजित बताते हुए निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया को इस तरह से गढ़ा गया है कि एक विशेष विचारधारा को सत्ता में बनाए रखा जा सके। उन्होंने ऐसे चुनाव का बहिष्कार करने की अपील अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक से कर डाली। यहां कहना गलत भी नहीं होगा कि यदि विपक्ष का एक बड़ा दल ही चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है। बहरहाल चुनाव हो रहे हैं ऐसे में जीत-हार के दावे भी सामने आ गए हैं। चुनावी मुकाबला मुख्यतः तारिक रहमान के नेतृत्व वाले बीएनपी गठबंधन और जमात-ए-इस्लामी व नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के 11 दलों के गठबंधन के बीच माना जा रहा है। अनुमानित वोट प्रतिशत बताता है, कि मुकाबला कांटे का है। 13 वर्षों के प्रतिबंध के बाद जमात-ए-इस्लामी का चुनावी मैदान में लौटना भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2008 के बाद पहली बार वह चुनाव लड़ रही है। खुद को मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने के प्रयास में जमात ने इस बार एक हिंदू उम्मीदवार को टिकट दिया है, हालांकि किसी महिला को उम्मीदवार नहीं बनाए जाने को लेकर जमात सुर्खियां भी बटोर रही है। इस मामले में पार्टी का तर्क है कि महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन यह तर्क समावेशी राजनीति की कसौटी पर अधूरा लगता है।

बांग्लादेश के आम चुनाव का एक बड़ा आयाम विदेश नीति भी है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि वे सम्मान और मयार्दा के आधार पर विदेश संबंधों को पुनर्परिभाषित करना चाहते हैं। पिछले 16 वर्षों की विदेश नीति को एक देश अर्थात भारत केंद्रित बताकर उसकी आलोचना की जा रही है। तीस्ता जल बंटवारा, सीमा पर होने वाली घटनाएं और साझा नदियों के पानी का मुद्दा प्रमुख चुनावी विषय बन चुके हैं। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में भारत के साथ संबंध अब निर्विवाद नहीं रहे। यदि नई सरकार भारत के प्रति अधिक कठोर रुख अपनाती है, तो द्विपक्षीय रिश्तों में तनाव और बढ़ सकता है। सुरक्षा कारण बताकर भारत द्वारा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक न भेजना भी इन्हीं संकेतों की ओर इशारा करता है। यह या तो सतर्क दूरी का संकेत है या फिर आंतरिक परिस्थितियों को लेकर एक प्रकार की प्रतीक्षा की नीति। वैसे यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ोसी देश ही नहीं है, बल्कि सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार भी है। सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर भारत की स्थिरता, आतंकवाद-रोधी सहयोग और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इन सभी पर ढाका की राजनीतिक दिशा का सीधा असर पड़ता है। चिंता का विषय यह भी है कि चुनावी विमर्श में वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ता दिख रहा है। यदि कट्टरपंथी ताकतें मजबूत होती हैं, तो अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द पर प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। बांग्लादेश ने पिछले दशक में आर्थिक प्रगति और सामाजिक सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। राजनीतिक अस्थिरता या वैचारिक टकराव इस उपलब्धि को कमजोर कर सकता है। ऐसे में यह चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और क्षेत्रीय संतुलन की परीक्षा है। नई सरकार यह तय करेगी कि देश सहयोग और संवाद की राह पर चलेगा या टकराव और अविश्वास की ओर मुड़ेगा। भारत और बांग्लादेश के संबंध इतिहास, भूगोल और साझा संघर्षों से जुड़े हैं। उम्मीद यही की जानी चाहिए कि ढाका में जो भी सत्ता में आए, वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और सहयोग को प्राथमिकता देगा। क्योंकि अंततः स्थिर, समावेशी और संतुलित बांग्लादेश ही पूरे दक्षिण एशिया के हित में है।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मयार्दा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दशार्ती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।

विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मयार्दा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है।

यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मयार्दाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाजे खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है। यह घटना व्यक्ति विशेष से अधिक उस माहौल की ओर संकेत करती है, जहाँ अविश्वास इतना गहरा हो चुका है कि संवाद और विश्वास के पुल कमजोर पड़ते जा रहे हैं। अंततः यह समय आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। सत्तापक्ष को यह समझना होगा कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध की भी एक मयार्दा और रचनात्मकता होती है। और अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पदों को यह स्मरण रखना होगा कि उनकी निष्पक्षता केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि व्यवहार और अवसर की समानता से भी सिद्ध होती है। यदि संसद को संवाद का मंच बनाए रखने में हम विफल रहते हैं, तो यह केवल एक सत्र या एक सरकार की विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक असफलता मानी जाएगी। यही वह बिंदु है जहाँ हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि और हर संस्था को आत्मचिंतन करना होगा, ताकि विकास की राह में विनाश की संभावनाएँ नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

22 को मेगा विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविर का किया जाएगा आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- न्याय चला निर्धन से मिलने की सूक्ति को अमली जामा पहनाने के उददेश्य से इसी माह की 22 तारीख को मेगा/बृहद विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविर का का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर को सफल और प्रभावी बनाने की गरज से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जिला जज विवेक की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी मेगा शिविर की आधारशिला के रूप में प्रशासन और न्यायिक व्यवस्था ने एक स्वर में अन्तिम व्यक्ति तक न्याय और योजनाओं के लाभ पहुँचाने का संकल्प दोहराया है। बैठक में जिला जज विवेक ने कहा कि समाज के अन्तिम पायदान पर खडे व्यक्ति को शीघ्र, सस्ता एवं सुलभ न्याय मुहैया कराना प्राधिकरण

का मुख्य उददेश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि यह हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि प्राधिकरण के उददेश्य को सफल बनाकर शीघ्र सस्ता एवं सुलभ न्याय मुहैया कराने की दिशा में आवश्यक एवं प्रभावी प्रयास करें। जनपद न्यायाधीश ने यह भी कहा कि यह शिविर केवल एक कार्यकम नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की नींव है, जो हर पात्र नागरिक को उसका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, पात्र लाभार्थियों का सटीक चिन्हांकन हो और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस शिविर में चिन्हित और पंजीकृत सभी लाभार्थियों को 22 फरवरी को आयोजित मेगा विधिक एवं सेवा शिविर में उनके अधिकारों से जुड़े लाभ प्रदान किए जाएगे। उन्होंने बताया कि मेगा शिविर के दौरान नागरिकों को एक ही स्थान पर निःशुल्क कानूनी सलाह, विधिक सहायता, लोक अदालत राष्ट के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 की जानकारी तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। यह शिविर सभी विभागों के आपसी समन्वय और सहयोग से आयोजित होगा। अपर जिला जज/नोडल अधिकारी ईश्वर सिंह ने कहा कि इस शिविर की पूर्व तैयारी का मुख्य उददेश्य यह सुनिश्चित करना है कि मेगा शिविर के दौरान समय और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग हो तथा अधिकतम जरूरतमंद नागरिकों को लाभ मिल सके। पहले से पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन और पंजीकरण इसी दिशा में एक अहम कदम है। न्यायाधीश / सचिव पूर्णकालिक अभिषेक कुमार व्यास ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का निरन्तर प्रयास है कि कानूनी सेवाए और सरकारी योजनाए समाज के अन्तिम व्यक्ति तक पहुँचे। उनका कहना था कि जब न्याय और योजनाओं तक पहुँच आसान होगी, तभी आम नागरिक सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकेगा। जागरूकता शिविर के माध्यम से यह संदेह साफ तौर पर है कि न्याय अब केवल अदालतों तक सीमित नही रहेगा, बल्कि जरूरतमंदों की चौखट तक पहुँचेगा यही मेगा विधिक शिविर की असली भावना है। बैठक में विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

जीरो पॉवर्टी के अन्तर्गत पात्र अंपजीकृत निर्धनतम परिवारों को पंजीकृत कराने के लिए लगेंगे शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि जनपद अमरोहा के उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा जीरो पॉवर्टी के अन्तर्गत पात्र अंपजीकृत निर्धनतम परिवारों को पंजीकृत कराने एवं बी०ओ०सी०डब्ल्यू० की योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु 12 फरवरी व 13 फरवरी को कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। जिसमे ब्लाक हसनपुर में 12 फरवरी को कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभाग के कर्मचारी एवं जन सेवा केंद्र संचालक साजिद अली सहायक लेखाकार-7505617887 व जसपाल सिंह जन सेवा केन्द्र संचालक मो0-9639167192 की ड्यूटी लगाई गई है। ब्लाक गंगेश्वरी में 12 फरवरी को कैम्प का आयोजन किया जायेगा, जिसमें राजू कम्प्यूटर ऑपरेटर, कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, गंगेश्वरी, मो0-6396251430 एवं

सिन्दू जन सेवा केन्द्र संचालक मो0-8077490666 की ड्यूटी लगाई गई है। ब्लाक गजरौला में 12 फरवरी को कैम्प का आयोजन किया जायेगा, जिसमें हर्षित कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर मो0-9639167192 एवं गौरव प्रकाश, जन सेवा केन्द्र संचालक मो0-7417543474 की ड्यूटी लगाई गई है। ब्लाक अमरोहा में 13 फरवरी को कैम्प का आयोजन किया जाएगा जिसमें साजिद अली सहायक लेखाकार, 7505617887 और सईदुल ईस्लाम जन सेवा केन्द्र संचालक मो0-7417543474 की ड्यूटी लगाई गई है। ब्लाक जोया में 13 फरवरी को लगने वाले कैम्प में सादिक हुसैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर मो0-9756640368 व वसीम रजा जन सेवा केन्द्र संचालक मो0-9012385294 और ब्लाक धनौरा में 13 फरवरी को आयोजित कैम्प में तेजपाल सिंह कम्प्यूटर ऑपरेटर, कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, धनौरा मो0-8057086813 व सोनू, जन सेवा केन्द्र संचालक मो0-7249912500 की ड्रूटी लगाई गई है।

बछरायूं में छात्रा लापता,मुरादाबाद निवासी छात्र पर केस दर्ज, जांच शुरू

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं में एक छात्रा के लापता होने के मामले में मुरादाबाद निवासी एक छात्र पर नगर के मोहल्ला निवासी एक युवक ने अपनी 21 वर्षीय पुत्री को बहला फुसला कर ले जाने और विरोध करने पर धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दर्ज करायी है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि बुधवार को शिकायतकर्ता ने थाना बछरायूं में बताया कि उनकी पुत्री, जो काकाठेर स्थित एक कॉलेज से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही

है, मंगलवार (10 फरवरी) दोपहर करीब 2 बजे घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।खोजबीन के दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि कॉलेज में उनकी पुत्री के साथ पढ़ने वाला छात्र आकाश पुत्र विजय सिंह, निवासी ग्राम तेलीपुरा खालसा, थाना छजलैट, मुरादाबाद, उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।पीड़ित पिता का आरोप है कि जब उन्होंने आरोपी आकाश से संपर्क कर अपनी बेटी के बारे में पूछा, तो उसने जानकारी देने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, आकाश ने परिजनों को गाली-गलौज करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। बेटी की सुरक्षा को लेकर चिंतित परिजन बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। थानाध्यक्ष कुलदीप तोमर ने बताया कि तहरीर मिल गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए युवती की बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर युवती को वापस लाया जाएगा।

शक्ति स्कवॉड ने वीरांगना इलेवन को 11 रनों से हराया

गजरौला में तीन दिवसीय जुबिलेंट महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग का आगाज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला औद्योगिक नगरी में तीन दिवसीय जुबिलेंट महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग का आगाज हो गया। पहले दिन का मैच शक्ति स्कवॉड की टीम ने वीरांगना इलेवन को 11 रनों की शिकस्त देकर जीत लिया। बुधवार की दोपहर तीन बजे नाईपुरा में गांव सादुल्लापुर रोड पर स्थित जुबिलेंट की सैकिंड कालोनी के खेल मैदान में तीन दिवसीय जुबिलेंट महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग का शुभारंभ जिला उपभोक्ता फोरम में जज अंजू दीक्षित, रेनू तिवारी,वंदना शुक्ला, ममता गुप्ता, श्वेता शुक्ला ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण की दिशा में जुबिलेंट प्रबंधन के कार्यों की प्रशंसा की। शक्ति स्कवॉड की कप्तान माही झा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का जिम्मा लिया। जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी कप्तान मंजू लता एवं उप कप्तान अर्चना यादव की वीरांगना इलेवन टीम 83 रनों पर सिमट गई। विजेता टीम शक्ति स्कवॉड की कविता चांद को सर्वाधिक रन बनाने पर बेस्ट बैटमैन एवं मैन ऑफ दि मैच का खिताब मिला। स्वाति मर्तेलिया बैस्ट बॉलर रहीं। इस मौके पर
जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, विनय शुक्ला, धीरुपतइया मुक्कु, मैच व्यवस्थापक नीरज सिंह, अरुण प्रताप सिंह, पुनीत तिवारी, रितु तिवारी, ऊषा वर्मा, रूचि मिश्रा, गीता परिहार, ममता सक्सेना आदि मौजूद रहे।

गजरौला में बिजली विभाग के जे ई पर दुष्कर्म के आरोप में केस दर्ज,जांच शुरू

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला नगर कोतवाली में बिजली विभाग के जे ई पर एक महिला को शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में एसपी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है। बता दें कि बुधवार को गजरौला नगर कोतवाली में बिजली विभाग के एक जूनियर इंजीनियर (जेई) के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि जेई ने शादी का झांसा देकर एक महिला से दुष्कर्म किया और बाद में शादी से इनकार कर दिया।इस मामले में जानकारी देते हुए पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2019 में मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के एक युवक से हुई थी। पति से विवाद के बाद वह गजरौला की एक कॉलोनी में किराए के मकान में रहने लगी थी। करीब दो साल पहले उसकी मुलाकात बिजली विभाग के जेई मोमराज से

हुई।आरोप है कि जेई ने महिला को शादी का झांसा देकर उससे नजदीकियां बढ़ाईं और कई बार दुष्कर्म किया। जब महिला ने जेई से शादी के लिए कहा, तो वह टाल-मटोल करने लगा और अंततः शादी से इनकार कर दिया। उसने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।इसी बीच, पीड़िता को पता चला कि जेई पहले से शादीशुदा है। बताया जा रहा है कि जेई हसनपुर के तहारपुर बिजलीघर पर तैनात है और उसकी पत्नी जिला अस्पताल में कर्मचारी है।

परेशान होकर पीड़िता 25 जनवरी को जेई से मिलने गई, लेकिन उसने उसे घर से भगा दिया।इसके बाद पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) से संपर्क किया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसपी के आदेश पर गजरौला थाना पुलिस ने आरोपी जेई मोमराज के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गजरौला थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने इसकी पुष्टि की।

मंडी धनौरा में ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा एवं शैक्षिक प्रतियोगिता का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड धनौरा स्थित डिग्री कॉलेज में एक ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा एवं शैक्षिक प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। यह प्रतियोगिता परिषदीय विद्यालयों की एकदिवसीय प्रतियोगिता रही, जिसको नगर के भागीरथी डिग्री कॉलेज खेल के मैदान में उत्साह पूर्वक आयोजित कराया गया। जिसमें प्राथमिक और जूनियर वर्ग के नन्हे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बता दें कि बुधवार को आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारंभ कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ अभय कुमार और खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद ने दीप प्रज्वलित कर किया।प्रतियोगिता में प्राथमिक और जूनियर वर्ग के नन्हें खिलाड़ियों ने खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कबड्डी, खो-खो और एथलेटिक्स की विभिन्न स्पधाओं में प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। खेलों का

संचालन यतींदर कटारिया और नीरज नीमल ने किया।प्राथमिक बालक वर्ग की 200 मीटर दौड़ में कपसुवा के अनमोल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पपसरी के रमित द्वितीय और ढयौटी के तोहिद तृतीय रहे। 400 मीटर दौड़ में भी अनमोल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया।प्राथमिक बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में चौखट की इल्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ढयौटी की हुमैरा द्वितीय और सुभाषनगर की आयशा तृतीय रहीं। 200 मीटर दौड़ में भी इल्मा ने बाजी मारी। 400 मीटर दौड़ में चौखट की अलीजा ने प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में कंपोजिट विद्यालय ढयौटी की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि डींगरा की टीम दूसरे स्थान पर रही। प्राथमिक स्तर की कबड्डी में कंपोजिट विद्यालय कादराबाद और कपसुवा की टीमों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और दर्शकों की सराहना बटोरी।कार्यक्रम के सफल आयोजन में ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सुमित यादव, भंवरजीत सिंह, नीतू सिंह और सत्यप्रकाश सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर सुनील कुमार, सचिन, अरविंद गिरि, सुनील भाटी, जुम्मा खां, रविकांत यादव, संदीप, विक्रांत यादव, संगीता आर्य, प्रीति शर्मा, पूनम रानी, कंचन, रानी, शशि दिवाकर, रोहिताश सिंह, शिक्षित कुमार, इकबाल सिंह, हितेश कुमार, देवराज सिंह, अजीत, राजकुमार, ज्ञानेंद्र कुमार, जितेंद्र कटारिया, वीरेंद्र सिंह, मोहित देवल और अक्षय त्यागी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और खेल प्रेमी मौजूद रहे।समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास करती हैं तथा उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

महा शिवरात्रि पर्व को लेकर पंचायती राज विभाग विशेष रूप से सक्रिय : पारुल सिसोदिया

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियां जोरों पर हैं। जिला प्रशासन ने इस पावन अवसर को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली हैं, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के भगवान शिव की आराधना कर सकें। पंचायती राज विभाग विशेष रूप से सक्रिय है। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में स्थित शिव मंदिरों की साफ-सफाई और अन्य तैयारियां तेजी से चल रही हैं। मंदिर परिसरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कांवड़ियों की सुविधा के लिए मंदिरों में लाइटिंग की व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य

आवश्यक कार्य पूरे किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने शांति और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए बैठकें की हैं। कांवड़ यात्रा के मार्गों पर प्रकाश, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हजारों श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर अमरोहा पहुंच रहे हैं, इसलिए मंदिरों के आसपास विशेष सफाई, जलाभिषेक की व्यवस्था और भक्तों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। यह पर्व 15 फरवरी को मनाया जाएगा, जब भोलेनाथ के भक्त डमरू की थाप पर नाच-गाकर भक्ति में लीन होंगे। प्रशासन का प्रयास है कि त्योहार शांतिपूर्ण और सफल रूप से संपन्न हो। स्थानीय लोग भी उत्साह से इसमें भाग ले रहे हैं।

जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद,धनौरा का किया वार्षिक औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा नगर पालिका परिषद, धनौरा का वार्षिक औचक निरीक्षण किया गया। नगर पालिका परिषद धनौरा में लेखा अनुभाग, निर्माण/जलकर विभाग, गृहकर/जन्म-मृत्यु विभाग, अधिशासी अधिकारी कार्यालय, रैन बसेरा, स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छता सेल, रिडियूज, रियूज, रिसाईकिल सेन्टर(आर0आर0आर0 सेन्टर) और नगर पालिका परिषद परिसर का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उन्होनें लेखा अनुभाग का निरीक्षण में जानकारी प्राप्त की कि कितने सफाई कर्मचारी है जिनमें से कितने नियमित, कितने संविदा पर कार्यरत है और वह कहां कार्य कर रहे है कि वित्तृत जानकारी प्राप्त की। तदोपरान्त उन्होने कार्य विभाजन पत्रावली का निरीक्षण किया। लेखा विभाग के अन्तर्गत अधिष्ठान में सर्विस बुक का निरीक्षण किया जो कि पूर्ण पाई गई। उन्होनें लेखाकार को निर्देश दिये कि जो अकाउण्ट्स नही चल रहें है उन्हें

शासन से पत्राचार करें हटायें। उन्होनें टी0डी0एस0 कटौती, एन0पी0एस0 की एन्ट्री, कितने के खिलाफ कार्यवाही चल रही है आदि की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कितने फण्ड उपलब्ध है, कितने ग्रान्ट में कितना पैसा उपलब्ध है, वह कब प्राप्त हुआ और अभी तक कितना खर्च किया गया है कि पूर्ण जानकारी प्राप्त की। इसी के साथ उन्होनें बोर्ड फण्ड का भी अवलोकन किया। कर-करेत्तर में कितनी वसूली हुई है कितनी अभी अवशेष है की बारे में जानकारी प्राप्त की। गृहकर/जन्म-मृत्यु विभाग की समीक्षा करते हुये उन्होने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र रजिस्टर का अवलोकन के साथ-साथ प्राप्त आवेदन के सापेक्ष कितनों का निस्तारण, कितनी समयावधि में पूर्ण किया आदि से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिये कि जो भी आवेदन आये उनको समय के साथ पूर्ण करें ताकि कोई लम्बित प्रकरण न रहे। जिलाधिकारी ने वार्डवार आवासीय/अनवासीय घरों के टैक्स की समीक्षा की और जानकारी प्राप्त की कि कितने प्रतिशत टैक्स की वूसली की गई है। उन्होनें अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिये कि गृहकर जमा करने के लिये किसी बैंक से सम्पर्क कर ई-पॉश मशीन के माध्यम से टैक्स जमा करें ताकि न टैक्स देने वालो को परेशानी का सामना करना पड़ें और न पालिका कार्मिक को। उन्होनें कहा कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की कार्यवाही पारदर्शिता के साथ हो और उसे बेहतर बनाने के लिये डिजीटल करने का प्रबन्ध किया जाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पी0 एम0 सूर्यघर योजना की स्थिति की जानकारी अधिशासी अधिकारी से प्राप्त कर उसमें प्रोग्रेस करने के निर्देश दिये। परिसर का निरीक्षण में उन्होनें लटक रहे विद्युत के तारों को ठीक करने के निर्देश और परिसर में कितने सी0 सी0 टी0 वी0 कैमरे है कितने कार्य कर रहे है की जानकारी प्राप्त की और साफ-सफाई का विशष ध्यान दिये जाये। इस अवसर पर प्रवीण कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, धनौरा अधिशासी अधिकारी धनौरा अवधेश कुमार वर्मा आदि सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपपस्थित रहें।

खोए हुए मोबाइल पाकर लोगों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

मोबाइल बरामदगी के मामले में जनपद सम्भल पूरे उत्तर प्रदेश में तृतीय स्थान पर

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा आलोक कुमार भाटी, क्षेत्राधिकारी सम्भल के नेतृत्व में गुमशुदा एवं खोये हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अभियान से पूर्व जनपद सम्भल का मोबाइल रिकवरी प्रतिशत 44% था, जो विगत 03 माह में बढ़कर 71% हो गया है। वहीं, पिछले 06 वर्षों का औसत रिकवरी प्रतिशत 60% तक पहुंच गया है, जबकि सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश का अब तक का रिकवरी प्रतिशत 38.29% है। उल्लेखनीय है कि माह दिसंबर में मोबाइल बरामदगी के मामले में जनपद सम्भल ने पूरे उत्तर प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। पिछले 03 माह में सम्भल पुलिस द्वारा लगभग 02 करोड़ रुपये कीमत के कुल 965 मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं। इनमें जनपद सम्भल के व्यक्तियों के 661 गुम/चोरी हुए मोबाइल तथा अन्य जनपदों के 304 मोबाइल फोन शामिल हैं। तुलना करें तो इससे पूर्व विगत 06 वर्षों में कुल 826 मोबाइल फोन ही बरामद किये गये थे। बुधवार को भी पुलिस ने 89 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये) बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किये। खोये/गुम हुए मोबाइल फोनों के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक सम्भल द्वारा साइबर थाना/जनपदीय साइबर सेल को शीघ्र बरामदगी के निर्देश दिये गये थे। जनपदीय साइबर सेल ने दूरसंचार विभाग द्वारा संचालित उएक्क्ष पोर्टल के माध्यम से अभियान चलाकर अथक प्रयासों से जनपद सम्भल, गैर जनपद एवं अन्य राज्यों से कुल 89 मोबाइल फोन बरामद किये, जिन्हें पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सम्भल द्वारा मोबाइल स्वामियों को सौंपा गया। सम्भल पुलिस के इस विशेष अभियान से आमजन में विश्वास बढ़ा है और गुम हुए मोबाइल वापस मिलने से लोगों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 12 मामलों की सुनवाई, 4 का निस्तारण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- बुधवार को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में आयोजित की गई। बैठक चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रूकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। बैठक के दौरान पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न आपसी विवादों को काउंसलरों के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। कुल 12 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 4 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। एक परिवार को आपसी सहमति से पुनः साथ रहने के लिए तैयार किया गया, जबकि 3 पत्रावलियां आवेदक द्वारा आगे कार्यवाही में रुचि न लेने के कारण बंद कर दी गईं। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, मुख्य आरक्षी मनोहर सिंह, रुचि एवं सुधा रानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की इस पहल से पारिवारिक विवादों को कानूनी कार्रवाई के बजाय आपसी समझ और संवाद के माध्यम से सुलझाने में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय आटा में लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के विकास क्षेत्र बनियाखेड़ा स्थित पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय आटा में बुधवार को सम्राट हॉस्पिटल के डॉ. शेखर वार्ष्णेय (MBBS, MS) द्वारा प्रतिमाह आयोजित किए जाने वाले स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान डॉ. शेखर वार्ष्णेय ने बदलते मौसम में होने वाली बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उनसे बचाव के उपाय बताए। बच्चों की बुखार, जुकाम, आंखों में दर्द, पेट दर्द, सिर दर्द एवं सर्दी आदि की जांच की गई। शिविर में अधिकांश बच्चे बुखार, पेट दर्द, सिर दर्द और सर्दी से ग्रसित पाए गए, जिन्हें संबंधित दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं। डॉ. शेखर वार्ष्णेय के विद्यालय पहुंचते ही बच्चों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। सुविख्यात समाजसेवी डॉक्टर द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार की दवाइयां निःशुल्क दी गईं। शिविर के अंत में सभी बच्चों को स्नैक्स भी वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर से बच्चों व अभिभावकों में जागरूकता बढ़ी और कार्यक्रम को सभी ने सराहा।

आईसीडीएस, मिशन शक्ति तथा समाज कल्याण की बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी आईसीडीएस, मिशन शक्ति तथा समाज कल्याण की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आईसीडीएस विभाग के अन्तर्गत बच्चों के वजन माप पर चर्चा की गयी तथा वीएचएसएनडी सत्र को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सत्र पर लम्बाई एवं वजन अच्छे से हो नहीं तो कार्यवाही संज्ञान में लायी जाएगी। आंगनबाड़ियों पर कार्यवाहियों को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत संतृप्तिकरण कराया जाए। सैम मैम बच्चे,एनआरसी (पोषण पुनर्वास केन्द्र)चंदौसी, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण,लर्निंग लैब पर भी चर्चा की गयी। आंगनबाड़ी आईसीडीएस के अन्तर्गत आधार सत्यापन तथा मोबाइल सत्यापन पर चर्चा की गयी शत प्रतिशत सत्यापन कराने के निर्देश दिए। मिशन शक्ति बैठक के अन्तर्गत कन्या सुमंगला के लंबित आवेदन पर चर्चा की गयी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधवा पेंशन के सत्यापन के लिए समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया। समाज कल्याण के अन्तर्गत वृद्धावस्था पेंशन, फैमिली आईडी, शादी अनुदान योजना पर चर्चा की गयी। अभ्युदय योजना, आश्रम पद्धति विद्यालय पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान के लंबित आवेदन निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि पर चर्चा की गई एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा, रिक्त दुकान की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा, रिक्त दुकान की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम राशन की रिक्त लंबित दुकानों को लेकर विकासखंड वार चर्चा की गयी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह ब्लॉक को लीड करें। निलंबित राशन की दुकानें तथा मॉडल शॉप पर भी चर्चा की गयी। जिन स्थानों पर मॉडल शॉप का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है उसके विषय में जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय ने कहा कि मॉडल शॉप ग्राम के निकट ही हों। अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डों के विषय में भी जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।राशनकार्ड की सत्यापन रिपोर्ट पर भी चर्चा की गयी। अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने कहा की पात्र लाभार्थी का ही राशन कार्ड जारी किया जाए इसको प्रत्येक दशा में देख लें और उन्होंने ने कहा कि एक अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों का भी सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय,जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग,तथा समस्त पूर्ति निरीक्षक,एवं समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में दिव्यांग, बुजुर्ग व गरीब वर्ग के साथ धोखा :- एम.आर. पाशा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को लेकर राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.आर. पाशा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का बजट दिव्यांगों, बुजुर्गों, विधवाओं और गरीब वर्ग के साथ ॒धोखा॓ है। स्वीप आइकॉन, लोकसभा चुनाव 2024 ब्रांड एंबेसडर एवं जिला स्तरीय समिति बिजनौर के सदस्य एम.आर. पाशा ने कहा कि उन्हें सरकार से बड़ी उम्मीदें थीं कि इन वर्गों के लिए विशेष पैकेज और ठोस घोषणाएं की जाएंगी, लेकिन बजट में ऐसा कुछ भी नजर नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि न तो पेंशन में बढ़ोतरी की घोषणा की गई, न अंत्योदय कार्ड और न ही आयुष्मान कार्ड को लेकर कोई नई पहल की गई। दिव्यांग अधिकार अधिनियम-2016 के प्रभावी क्रियान्वयन, दिव्यांग आयोग की सक्रियता, 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत आरक्षण, रोजगार हेतु ऋण सुविधा और बैकलॉग के आधार पर सरकारी नौकरियों में भर्ती जैसे मुद्दों पर भी बजट मौन रहा। एम.आर. पाशा ने कहा कि यूडीआईडी कार्ड को परिवहन सेवाओं—बस और ट्रेन—में पूर्ण रूप से लागू करने की भी कोई घोषणा नहीं की गई।

उनके अनुसार, दिव्यांगजन आज भी उपेक्षा के शिकार हैं और उन्हें सम्मानजनक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने बजट की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन वर्गों की अनदेखी जारी रखी तो संगठन सड़कों पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करेगा और आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री आवास का घेराव भी किया जाएगा।

बहजोई पुलिस ने एक वारण्टी अभियुक्त किया गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना बहजोई पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में बुधवार को एक वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राकेश पुत्र राजेन्द्र उर्फ राजा (37) के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है और वह न्यायालय जनपद मुरादाबाद से वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संत कुमार, उपनिरीक्षक सोमपाल सिंह तथा हेड कांस्टेबल नरेंद्र त्यागी थाना बहजोई, जनपद सम्भल शामिल रहे। सम्भल पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान लगातार जारी है, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी हुई है।

5000 किलोमीटर की यात्रा कर जैन मंदिर पहुंचा रथ, हुआ स्वागत

संभल। शहर के मोहल्ला ठेर में स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें गुजरात के अहमदाबाद से चलकर 5000 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर भगवान का रथ पहुंचा तो जैन समुदाय के लोगों ने स्वागत किया। मंगलवार को रथ के पहुंचने पर मंदिर में जलाभिषेक, शांति धारा, वक्तांबर श्रोत पाठ एवं रथ पर आचार्य श्री के पद चिन्हों का प्रक्षालन किया। जिसके बाद आरती की गई। इसे नगर में भ्रमण भी कराया। संदीप जैन शास्त्री ने बताया कि यह रथ अहमदाबाद गुजरात से चला। महाराज विद्या सागर के आशीर्वाद से भारत परिक्रमा पर रथ निकला हुआ है। अभी यह राजस्थान, मध्य प्रदेश से होकर उत्तर प्रदेश में प्रारंभ हुआ है। यह असम, गुवाहाटी और नेपाल तक भ्रमण करेगा। यह रथ यात्रा वर्ष 2024 में शुरू हुई थी। यात्रा तीन साल तक चलेगी। अभी तक 5000 किलोमीटर का सफर कर लिया है। बताया कि रथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में जैन धर्म को आगे बढ़ाना और जैन धर्म के प्रति समाज के अन्य वर्गों को जागरूक करना है।

इस दौरान वीरेंद्र जैन, नरेंद्र जैन, नलिन जैन, राजीव जैन, संजय जैन टीटू, नगर हिंदू सभा के अध्यक्ष कमलकांत तिवारी, सुनील सराफ आदि रहे।

पशु चिकित्सालय में बैकयार्ड पोल्ट्री योजना के तहत नि:शुल्क चूजा वितरण

ग्रामीण पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु पोल्ट्री आहार व प्रशिक्षण भी दिया गया

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- विकास खंड बनिया खेड़ा स्थित पशु चिकित्सालय में बैकयार्ड पोल्ट्री योजना के अंतर्गत ग्रामीण एवं निर्धन पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से निःशुल्क चूजा वितरण एवं पोल्ट्री राशन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में टिंकू राजोरिया का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान चयनित लाभार्थियों को विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार निःशुल्क चूजे एवं आवश्यक पोल्ट्री आहार वितरित किया गया। इस अवसर पर पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लाभार्थियों को चूजों के सही पालन-पोषण, समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार, रोग नियंत्रण तथा स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान कीं। अधिकारियों ने बताया कि बैकयार्ड पोल्ट्री योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय का स्त्रोत उपलब्ध कराना, पोषण स्तर में सुधार करना तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा। कार्यक्रम में पशु चिकित्सालय का समस्त स्टाफ, पशु मित्र एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे। योजना से लाभान्वित पशुपालकों ने सरकार एवं विभाग का आभार व्यक्त किया।

पुलिस का सख्त रुख यातायात व्यवस्था सुधारने को चलाया गया चेकिंग अभियान

ई-रिक्शाओं की जोनवार कोडिंग व नंबरिंग, नियम तोड़ने वालों पर एमवी एक्ट में कार्रवाई

सम्भल(सब का सपना):- बुधवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का संचालन यातायात प्रभारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें यातायात पुलिस के साथ स्थानीय पुलिस बल भी सक्रिय रूप से शामिल रहा। अभियान के दौरान जनपद के प्रमुख चौराहों, व्यस्त बाजारों एवं मुख्य मार्गों पर विशेष रूप से जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई करते हुए चालान काटे गए। बिना हेलमेट वाहन चलाना, सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, ओवरलोडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना तथा बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन जैसे मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त जनपद में संचालित ई-रिक्शाओं को व्यवस्थित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। विभिन्न चौराहों एवं बाजारों से गुजरने वाली ई-रिक्शाओं की जोनवार कोडिंग करते हुए उन्हें नंबरिंग दी गई, ताकि उनकी पहचान सुनिश्चित की जा सके और अव्यवस्था पर नियंत्रण पाया जा सके। ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित रूट पर ही संचालन करने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी गई। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रहेंगे, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और आमजन को सुरक्षित व सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। सम्भल पुलिस की इस कार्रवाई से यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों में सख्ती का संदेश गया।

सीओ - एसडीएम ने कांवड़ ड्यूटी में लगें पुलिस बल का निरीक्षण कर, देखी मार्गों की व्यवस्था

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद सीओ नितेश कुमार सिंह और एसडीएम ने बुधवार को थाना मंडावली व नजीबाबाद क्षेत्रांतर्गत कांवड़ ड्यूटी में तैनात पुलिस बल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कांवड़ मार्ग पर संचालित सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा मार्ग पर चल रहे कांवड़ियों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की गई। समस्त संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को सतर्कता बरतने एवं सुव्यवस्थित ड्यूटी निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से नजीबाबाद सीओ नितेश कुमार सिंह और एसडीएम ने कांवड़ ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीओ ने पुलिसकर्मियों को

सतर्क रहते हुए अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ जंगली जानवरों से संभावित खतरे को देखते हुए कांवड़ मार्ग एवं आसपास के जंगलों की ड्रोन कैमरे से निगरानी कराई गई। ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने कांवड़ मार्ग पर मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम भी पूछी और यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की।

सीओ नितेश कुमार सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और सहायता के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य है कि कांवड़ यात्री बिना किसी बाधा के अपनी धार्मिक यात्रा पूरी कर सकें और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे।

एसपी ने हल्दौर थाने का किया वार्षिक निरीक्षण

मालखाना, शस्त्रागार समेत सभी रजिस्टरों की जांच, अपराध रोकथाम के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- एसपी अभिषेक झा ने बुधवार को हल्दौर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाना, शस्त्रागार, लॉकअप और थाना कार्यालय का गहन निरीक्षण किया। एसपी ने थाने के सभी महत्वपूर्ण रजिस्टरों की जांच की। इनमें सम्पूर्ण समाधान दिवस रजिस्टर, भूमि-भवन रजिस्टर और मालखाना रजिस्टर शामिल थे। महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। एसपी अभिषेक झा ने थानाध्यक्ष को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने वाहन चोरी, लूट और नकबजनी की रोकथाम पर जोर दिया। महिलाओं से जुड़े अपराधों

और तस्करी को रोकने के लिए सीमा पर नियमित जांच के आदेश दिए। एसपी ने पैदल गश्त, वाहन चेकिंग और बैंक की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा। संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने थानाध्यक्ष से कहा कि वे अपने अधीनस्थों का कुशल पर्यवेक्षण करें और निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस दौरान थानाध्यक्ष और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

धामपुर में एनएसएस की छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- सौभाग्यवती बाई दानी महिला महाविद्यालय में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम चौहान के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं द्वारा कार्यक्रम अधिकारी मीनू शर्मा की उपस्थिति में ग्राम नौरंगाबाद पंचायत घर में उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत सरकार द्वारा निर्धारित थीम कौशल विकास हेतु युवा के अंतर्गत विषय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान नौरंगाबाद प्रदीप कुमार द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को शुभकामनाएँ देते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रथम

सत्र में योग शिक्षिका ज्योति द्वारा स्वयंसेविकाओं को योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। शिविर में उपस्थित शिक्षिका डॉ पूनम रानी द्वारा स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया गया जिसमें उन्होंने स्वच्छ वातावरण नियमित व्यायाम और संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी मीनू शर्मा ने स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास व उद्देश्य के बारे में बताया व स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। द्वितीय सत्र में स्वच्छता नारों के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गई जिसे महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो पूनम चौहान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयंसेविकाओं का उत्साहवर्धन किया । कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वस्थ और जागरूक युवा ही देश के उज्वल भविष्य की नींव होते हैं। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेविकाओं द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा की तथा स्वच्छता स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। तत्पश्चात ग्राम नौरंगाबाद के मुख्य स्थलों पर साफ-सफाई अभियान श्रमदान चलाया गया।

शिविर में उपस्थित पूजा महक पायल वैष्णवी टीना आलिया नूर सायना मरियम व भावना सहित सभी स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा समाज सेवा करने का संकल्प लिया शिविर संचालन में अर्जुन मनोज संतोष का सराहनीय सहयोग रहा।

स्योहारा पुलिस ने चोरी के आरोपी को दबोचा

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा में चोरी की वारदातों पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना स्योहारा पुलिस ने दो अलग-अलग चोरी के मामलों में संलिप्त नौशाद उर्फ खरगोश पुत्र बुन्दू को दबोचा और उसके कब्जे से चोरी का सामान भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से ग्राम ठाटजट, थाना स्योहारा, जनपद बिजनौर का निवासी है और वर्तमान में फव्वारा चौक, कस्बा व थाना स्योहारा में रह रहा था। पुलिस ने उसके पास से तीन

ट्यूबवेल की बिजली की मोटर (एक साबुत व दो कटी हुई), एक मोटर की खुली बॉडी, एक एवन साइकिल, लोहा काटने का ग्राइंडर, एक प्लास, लोहे की छेनी, एक सरिया, तीन पाना, तीन स्टील की चाबियां और एक पेचकश बरामद किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ स्योहारा थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, उपनिरीक्षक अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल नीटू राणा, कांस्टेबल राहुल और कांस्टेबल सुदेर राणा शामिल रहे। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

बिजनौर की शिक्षिकाओं ने दिल्ली तक फहराया अपना परचम

नगीना /बिजनौर (सब का सपना):- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन 02 से 11 फरवरी तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में किया गया । जिसमें कोतवाली ब्लॉक बिजनौर की शिक्षिका कमलनी अग्रवाल समेत कई शिक्षिकाओं ने बिजनौर का परचम दिल्ली तक फहराया कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आए लगभग 53 सेवारत शिक्षक प्रतिभागी सहभागिता की जिन्होंने विद्यालय स्तर पर विरासत संरक्षण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला का शुभारंभ 02 फरवरी, को सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, प्रशिक्षण अनुभाग

के उपनिदेशक डॉ. संदीप शर्मा तथा कार्यशाला अनुभाग के उपनिदेशक आशुतोष के कर-कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ विधिवत रूप से संपन्न हुआ। तथा कार्यशाला का समापन बुधवार को कार्यशाला अनुभाग के उपनिदेशक आशुतोष , कार्यक्रम समन्वयक शजुलैशा सिद्धार्थ व देवाराम मेघवाल जी के द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया । कार्यशाला अनुभाग के उपनिदेशक आशुतोष अपने प्रेरणादायक संबोधन में माननीय अध्यक्ष महोदय ने शिक्षक प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यालयों की भूमिका को रेखांकित किया तथा प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से जुड़े विविध आयामों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज में जागरूक नागरिक तैयार करने की आधारशिला होते हैं और उनके प्रयासों से ही भावी पीढ़ी में विरासत संरक्षण की भावना सुदृढ़ हो सकती है। यह कार्यशाला शिक्षकों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों स्तरों पर समृद्ध करते हुए, उन्हें अपने-अपने विद्यालयों में नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से विरासत संरक्षण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी। कार्यशाला में कोतवाली ब्लाक क्षेत्र के कंपोजिट स्कूल मलकपुर अब्दुल्ला की शिक्षिका कमलनी अग्रवाल व कंपोजिट स्कूल राजोपुर सादात की शिक्षिका प्रेमलता के अलावा अंजलि राणा, कंचन व प्रतिभा ने अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया जिससे जनपद बिजनौर व कोतवाली ब्लाक की शिक्षिकाओं ने दिल्ली तक अपना परचम लहरा दिया ।

उनकी इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ब्लाक कोतवाली कै ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल सिंह, गर्वित चौधरी, परवेज आदिल माही, कामिनी दिवाकर, गजाला रूही, संकुल प्रभारी नगर नगीना मनीष राणा, दिलशाद जहां, राजपाल सिंह, उदयराज सिंह, सचिन,विवेक कुमार आदि ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

एमकेडी अग्रिम एकेडमी का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नहटौर /बिजनौर (सब का सपना):- हल्दौर रोड स्थित एमकेडी अग्रिम एकेडमी का वार्षिकोत्सव बुद्धवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम मे एकेडमी के छात्र छात्राओ द्वारा मंच पर आकर्षक प्रस्तुतियॉ दी गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ माता कमला देवी एवं उनके सुपुत्र राजेश अग्रवाल (एलआरएस ग्रुप ऑफ कॉलेज व माता कमला देवी ग्रुप आफ स्कूल), सीमा अग्रवाल, एकेडमी के प्रबन्धक अंकित अग्रवाल, प्रधानाचार्या एडवोकेट तृप्ति अग्रवाल, नैना मित्तल व स्वर्णा मित्तल द्वारा संयुक्त रूप से मॉ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित व पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम शुभारम्भ में बारी बारी मंच पर आये विभिन्न कक्षाओ के छात्र छात्राओ द्वारा दी गयी मनमोहक व देश भक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियो ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान फन्नी डान्स, कलासिकल डान्स, पंजाबी थीम आदि ने सभी का मन मोह लिया। इसी दौरन बॉलीवुड थीम पर दी गयी ऑपरेशन सिन्दूर की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। देर तक चले कार्यक्रम के दौरान वातावरण तालियो की गड़गड़ाहट से गुॅजायमान होता रहा। इस अवसर पर एकेडमी प्रबंधन की ओर से इस वर्ष नहटौर क्षेत्र के सभी विद्यालयो से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र आयुष पुत्र अमित को 5100 रुपए का चेक देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही छात्र छात्राओ के अभिभावको को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपनी लेखनी के माध्यम से समाज निर्माण मे अहम भूमिका निभा रहे महकार सिंह तोमर, नीरज भारद्वाज,मुनेश राणा, दैनिक पहल टूडे के जिला प्रभारी देवेन्द्र चौधरी , परवेज दानिश व फैजान अहमद को भी स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था के प्रबंध निदेशक राजेश अग्रवाल ने कहा कि एमकेडी महिला महाविद्यालय व उसके बाद एमकेडी अग्रिम एकेडमी खोलने की प्रेरणा उन्हे उनकी माता कमला देवी से मिली। उन्होने कहा कि स्थापना वर्ष से ही एकेडमी निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और इसमे सर्वाधिक योगदान यहॉ के शिक्षको व शिक्षणेत्तर कर्मचारियो का रहा है। उन्होने एकेडमी के विकास मे अपना बहूमुल्य योगदान देने हेतु शिक्षको का आभार व्यक्त किया। उन्होने बताया कि माता कमला देवी विशेष स्कॉलरशिप योजना के तहत आगामी सत्र 2026 - 27 के लिये 28 फरवरी 2026 तक नर्सरी कक्षा मे प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओ के लिये आने जाने हेतु

यातायात सुविधा का कोई शुल्क नही लिया जायेगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष मे नहटौर क्षेत्र के सभी विद्यालयो से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 11 हजार का चेक प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से कुलदीप कान्त शर्मा, सुभाष, सुरभि, शैली, गुल्फशां रिया, शिवांगी, ज्योति, सपना उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन व सफल संचालन मे एकेडमी के सभी शिक्षको व शिक्षणेत्तर कर्मचारियो का सहयोग रहा।

थाना स्तर की लापरवाही पर सख्त कदम, मारपीट प्रकरण में कोतवाली प्रभारी निलंबित

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में थाना कोतवाली शहर क्षेत्र में दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे में विभागीय कार्रवाई की गई है। 10 फरवरी 2026 को प्रथम पक्ष रानी किन्नर और द्वितीय पक्ष रेशमा उर्फ शाहिद के बीच विवाद और मारपीट की घटना प्रकाश में आई थी। घटना से संबंधित एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें एक पक्ष को आक्रामक भूमिका में देखा गया। पुलिस ने वीडियो के आधार पर आक्रामक पक्ष की ओर से मुकदमा दर्ज करते हुए कुल 14 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। हालांकि, मामले की प्रारंभिक जांच क्षेत्राधिकारी नगर,

बिजनौर द्वारा की गई। जांच में थाना स्तर पर लापरवाही और शिथिलता परिलक्षित होने की बात सामने आई। जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अधीक्षक, बिजनौर ने प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के आदेश भी जारी किए गए हैं। इस कार्रवाई को पुलिस प्रशासन ने अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कदम बताया है।

बाइक सवार को बचाने में खाई में गिरी रोडवेज बस

चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, सभी सुरक्षित

हीमपुर दीपा/बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह दिन निकलते ही उस समय हड़कंप मच गया, जब एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में रोडवेज बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, लेकिन गनीमत रही कि चालक, परिचालक, बाइक सवार और बस में मौजूद सभी सवारी सुरक्षित बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिजनौर से चांदपुर जा रही रोडवेज बस (संख्या यूपी 23 बीटी 3542) बिजनौर-चांदपुर मार्ग पर ग्राम छांछरी टीप और उल्हेड़ा के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस चालक और परिचालक के मुताबिक, नहर की पटरी से एक

बाइक सवार अचानक सड़क पर आ गया। चालक का कहना है कि बाइक सवार ने न तो हॉर्न की आवाज सुनी और न ही पीछे मुड़कर देखा, जिससे वह बस की चपेट में आ गया। चालक ने बाइक सवार को बचाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान बस असंतुलित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार को मामूली खरोंच आई, जबकि महिला परिचालक राशिदा को हल्की गुम चोट लगी। बस में उस समय चालक-परिचालक सहित मात्र एक सवारी मौजूद थी, जो पूरी तरह सुरक्षित रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बस में अधिक यात्री होते तो हादसा गंभीर रूप ले सकता था। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर की मदद से बस को खाई से निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में जेसीबी मशीन बुलवाई गई और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद बस को बाहर निकाला जा सका। घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और नहर पटरी से अचानक मुख्य मार्ग पर आने वाले वाहनों की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय लोगों ने संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी संकेत और गति नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम की मांग की है।

कालिंदी कुंज में पैदल यात्री से लूटपाट, झाड़ियों में धकेलकर मोबाइल छीना

नई दिल्ली। साउथ ईस्ट दिल्ली के कालिंदी कुंज थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पास चार बदमाशों ने एक पैदल यात्री से लूटपाट की। आरोपियों ने पहले पीड़ित को पीछे से सड़क किनारे झाड़ियों में धक्का दिया, फिर उसका गला घोंटकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। जब राहगीरों ने शोर मचाया तो आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ित की शिकायत के आधार पर कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित की पहचान जगदीश सिंह के रूप में हुई है। वह मदनपुर खादर इलाके में किराए पर रहता है और जसोला में स्प्लेंडर फोरम मॉल के पास एलआईसी ऑफिस में काम करता है। पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि वह 9 फरवरी की रात करीब 9 बजे शाहीन बाग से पैदल घर लौट रहा था। वह कालिंदी कुंज मेट्रो स्टेशन से थोड़ा आगे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से होते हुए मदनपुर खादर पुलिया की ओर जा रहा था। जैसे ही वह पुलिया के पास बस स्टैंड पार कर रहा था, एक युवक ने उसे पीछे से धक्का दे दिया। धक्का लगते ही पीड़ित सड़क किनारे झाड़ियों में गिर गया। नीचे पहले से मौजूद तीन और बदमाशों ने उसे पकड़ लिया। एक आरोपी ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया, दूसरे ने उसके हाथ पकड़े, जबकि तीसरे ने गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। बाद में चौथा आरोपी भी नीचे आया और उसकी जेबें ढूंढने लगा। जब पीड़ित चिल्लाने लगा तो वहां से गुजर रहे एक ऑटो ड्राइवर और बाइक सवार ने आवाज लगाई, जिसके बाद चारों आरोपी मौके से भाग गए। बाइक पर सवार युवक ने अपने फोन से पुलिस को कॉल करके घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित का बयान दर्ज किया। फिलहाल पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

दिल्ली के धौला कुआं मेट्रो के बाहर मोबाइल स्नैचिंग, सीसीटीवी फुटेज से पकड़े गए दो अपराधी, 14 पुराने केसों में शामिल

नई दिल्ली। साउथ-वेस्ट जिले के दिल्ली कैंट पुलिस स्टेशन की एक टीम ने स्कूटर स्नैचिंग की घटना में शामिल दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रिंकू खान उर्फ कोटल और अजय उर्फ बंटी के रूप में हुई है, दोनों ईस्ट महरम नगर के रहने वाले हैं। रिंकू चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट के आठ मामलों में शामिल रहा है, और अजय चोरी और लूट के छह मामलों में शामिल रहा है। उनके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल किया गया एक स्कूटर बरामद किया गया है। डिप्टी कमिश्नर अमित गोयल के अनुसार, 9 फरवरी की रात करीब 10:45 बजे, दिल्ली कैंट पुलिस स्टेशन को मोबाइल फोन स्नैचिंग की घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली। पहुंचने पर, पीड़ित, तारुष सिंह ने बताया कि वह एक इंजीनियरिंग छात्र है और कैंपस से एक हफ्ते की छुट्टी लेकर लखनऊ जा रहा था। उसे धौला कुआं से लखनऊ के लिए बस पकड़नी थी। रात करीब 10:40 बजे, वह धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के बाहर बस का इंतजार कर रहा था, तभी स्कूटर पर सवार दो लड़कों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और भाग गए। पुलिस ने केस दर्ज किया और सीसीटीवी फुटेज की मदद से रिंकू को पकड़ लिया और पीड़ित की चोरी की गाड़ी बरामद कर ली। उसके पिता के नाम पर रजिस्टर्ड एक स्कूटर मौके से बरामद किया गया। उसकी जानकारी के आधार पर, एक सह-आरोपी को पकड़ लिया गया और उसके पास से एक और मोबाइल फोन बरामद किया गया।

दिल्ली पुलिस ने पेंगुइन इंडिया को भेजा नोटिस, कई सवालों के मांगे जवाब

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पेंगुइन इंडिया को नोटिस जारी किया है। दिल्ली पुलिस द्वारा इस नोटिस के जरिए कई सवाल पूछे गए हैं। साथ ही सवालों के जवाब भी मांगे गए हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के कंटेंट लीक होने पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच कर रही है कि बिना अनुमति के कंटेंट कैसे लीक हुआ, खासकर जब पीडीएफ प्रतियां ऑनलाइन उपलब्ध हैं। राहुल गांधी के पास कंटेंट होने की बात भी जांच के दायरे में है। यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। जान-बूझकर कंटेंट लीक कर दिया हो? वहीं, जांच से जुड़े एक आईपीएस अधिकारी का कहना है कि पुस्तक के कंटेंट की जानकारी पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे के अलावा 'पेंगुइन रैंडम हाउस' को थी। हो सकता है कि नरवणे ने जब पुस्तक के प्रकाशन के लिए कंटेंट पेंगुइन रैंडम हाउस को दिया हो तब वहां किसी को कंटेंट हाथ लग गया हो। पेंगुइन रैंडम हाउस में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम करते हैं। वहां कई एडिटर हैं। हो सकता है किसी ने प्रकाशन हाउस से ही जानबूझ कर कंटेंट लीक कर दिया हो। इसलिए पुलिस ने केस में आपराधिक साजिश की धारा भी लगाई है।

दिल्ली जनकपुरी हादसा: कमल मौत मामले में ठेकेदारों को कोर्ट की शर्तों पर मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी इलाके में दिल्ली जल बोर्ड के खुले गड्ढे में गिरकर हुई कमल की मौत के मामले में आरोपी ठेकेदारों को कानूनी राहत मिली है। दिल्ली की द्वारका कोर्ट ने केके स्पन इंडिया लिमिटेड के दो निदेशकों सह ठेकेदार हिमांशु गुप्ता और काविश गुप्ता को 18 फरवरी तक अग्रिम जमानत प्रदान की है। इसके साथ ही अदालत ने उनके खिलाफ पुलिस द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के क्रियान्वयन पर भी अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने उन्हें अग्रिम जमानत देते हुए अनिवार्य शर्तें और निर्देश भी जारी किए हैं, जिसमें उनको जांच में शामिल होना अनिवार्य होगा। अदालत ने आदेश दिया है कि दोनों आरोपी बुधवार को ही जांच अधिकारी के समक्ष पेश हों और जांच प्रक्रिया में बिना किसी बाधा के पूरी तरह सहयोग करें। कोर्ट ने दिया सख्त निर्देश कोर्ट ने सख्त निर्देश दिया है कि आरोपी इस मामले से जुड़े किसी भी गवाह को प्रभावित करने या सबूतों के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं करेंगे। आरोपियों को निर्देश दिया गया है कि जब भी पुलिस को पूछताछ या जांच के लिए उनकी आवश्यकता होगी, उन्हें उपस्थित होना होगा। निर्देशों का पालन न करने पर उनकी जमानत रद की जा सकती है।

जिले में महाशिवरात्रि, होली, जमात-उल-विदा (अलविदा)/ रमजान के पर्व को लेकर भारतीय सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 लागू

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वर्तमान समय में महाशिवरात्रि, होली, जमात-उल-विदा (अलविदा रमजान का अंतिम शुक्रवार, चेटीचंद, ईस्टर सैटरडे तथा इस अवधि में जनपद अमरोहा में आयोजित होने वाली अन्य परीक्षायें एवं विभिन्न धार्मिक/राजनैतिक संगवनों द्वारा अपने-अपने कार्यकम प्रस्तावित किये जा सकते है। इस अवसर पर कतिपय अराजक तत्वों द्वारा अपनी गतिविधियों से जनसुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था प्रभावित किये जाने के प्रयास की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। अतएव उक्त के दृष्टिगत जनपद अमरोहा के सम्पूर्ण क्षेत्र में सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने तथा उक्त अवसरों पर अराजक तत्वों द्वारा अपनी गतिविधियों के कारण शाति व्यवस्था प्रभावित किए जाने के प्रयासों पर नियंत्रण स्थापित किए जाने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था कायम रखवाये जाने के निमित्त आदेश अन्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा पारित करती हूं। अतः मैं गरिमा सिंह, अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि0/रा0) अमरोहा, भारतीय सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 दण्ड के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकार का उपयोग करते हुए सम्पूर्ण जनपद अमरोहा में निषेधाज्ञा पारित करता हूँ कि किसी भी स्थान पर पाँच या पाँच से अधिक व्यक्ति बिना अनुमति के एकत्रित न होंगे। यह प्रतिबन्ध पारिवारिक सदस्यों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों एवं शासकीय कार्यों से सम्बन्धित आयोजन आदि पर लागू नहीं होगा, कोई व्यक्ति/व्यक्तियों का समूह किसी घर की छत पर या घर के अन्दर अथवा सड़क अथवा सड़क के किनारे या गली में अथवा उसके किनारे अथवा किसी भी स्थान पर ईंट पत्थर या ईंट के टुकड़े या ऐसी सामग्री, जिससे चोट पहुँचायी जा सके, न तो एकत्र करेगा और न ही किसी दूसरे से करायेगा और न ही किसी को ऐसा करने के लिये प्रेरित करेगा। परीक्षा केन्द्रों के आसपास ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा केन्द्रों के आस-पास ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाईल फोन, ब्लूटुथ अन्य संचार सम्बन्धी उपकरण एवं आई०टी० गजेट्स ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। परीक्षा की समाप्ति तक किसी भी अभ्यर्थी अथवा प्रश्नपत्र को परीक्षा केन्द्र से बाहर न जाने दिया जायेगा। अनुचित साधनों का प्रयोग रोकने अथवा प्रश्नपत्रों के रखरखाव एवं उनके संचरण के मध्य समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करायी जायेगी। कोई भी व्यक्ति साम्प्रदायिक अथवा धार्मिक विद्वेष फैलाने वाला

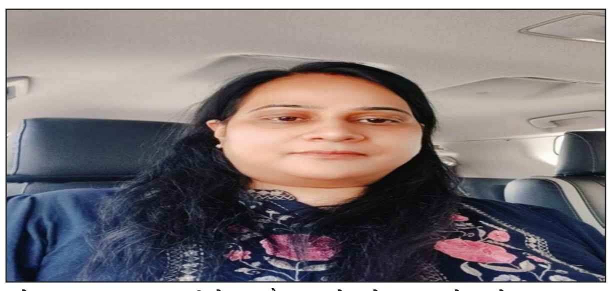

उत्तेजनात्मक भाषण नहीं देगा और न ही ऐसे नारे लगायेगा और न ही ऐसे पम्पलेट/बैनर आदि प्रकाशित करायेगा. जिससे किसी दूसरे सम्प्रदाय अथवा व्यक्ति विशेष की भावनाओं को ठेस पहुँचे या किसी भी प्रकार की उत्तेजना उत्पन्न हो या कोई कटुता आये अथवा साम्प्रदायिक सद्भाव बिगड़े कोई भी व्यक्ति धार्मिक विद्वेष फैलाने वाला संदेश सोशल मीडिया (व्हाट्सऐप, ट्विटर, इन्स्टाग्राम) के माध्यम से न तो प्रेषित करेगा और न ही उसे प्रेषित करने हेतु किसी को प्रेरित करेगा। यदि कोईहै संदेश सोशल मीडिया पर प्राप्त होता है तो न तो कोई उसे अग्रेषित करेगा और न ही किसी को इसके लिए प्रेरित करेगा और न ही कोई व्यक्ति सोशल (व्हाट्सऐप, ट्विटर, इन्स्टाग्राम) पर किसी को एकत्रित होने हेतु कहेगा। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता हुआ पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कार्यवाही की जायेगी। ऐसे किसी संदेश के संज्ञान में आने पर तत्काल सम्बन्धित थानाध्यक्ष/उपजिलामजिस्ट्रेट को अवगत कराया जाये इसके अतिरिक्त बिना अनुमति के ड्रोन कैमरे का प्रयोग नहीं किया जायेगा, कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह का अश्लील साहित्य आपत्तिजनक बैनर्स, हैण्ड बिल अथवा पोस्टर्स न तो प्रकाशित करेगा और न ही प्रकाशित करायेगा, न ही वितरित करेगा और न ही वितरित करायेगा। धार्मिक उन्माद पैदा करने वाले वीडियो/अडियो सामाग्री के कय-विक्रय अथवा प्रदर्शन/बजाने पर पूर्णतया प्रतिबन्ध रहेगा, कोई भी शस्त्र अनुज्ञापी अपने शस्त्र का सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन नहीं करेगा और न ही कोई व्यक्ति किसी भी स्थान पर अन्य प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, लाठी, डन्डा, माला, चाकू या अन्य किसी प्रकार के घातक हथियार को लेकर नहीं जायेगा न ही किसी भी प्रकार के अस्त्र शस्त्र का प्रयोग करेगा और न ही ऐसा करने के लिये किसी को प्रेरित करेगा। यह प्रतिबन्ध सिख समुदाय के परम्परागत कृपाण अथवा विधि व्यवस्था में तैनात अधिकारी/कर्मचारी, बैंकों एवं सरकारी एवं अर्द्धसरकारी प्रतिष्ठानों के सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति सम्बन्धित उपजिला मजिस्ट्रेट की लिखित अनुमति के बिना लाउडस्पीकर एवं अन्य किसी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग नहीं करेगा और न ही किसी से करायेगा, लाउडस्पीकरों के प्रयोग में उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय के आदेशों का कठोरता से पालन किया जायेगा ध्वनि की तीव्रता व समय का पालन किया जायेगा, कोई भी व्यक्ति सड़क मार्ग, रेलवे ट्रैक आदि को बाधित नहीं करेगा और न ही बाधित करने के लिए प्रयास करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा और न ही किसी भी प्रकार से सार्वजनिक सम्पत्ति को क्षति पहुँचायेगा, कोई भी व्यक्ति जलापूर्ति एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करेगा और न ही किसी को ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगा। कोई व्यक्ति/व्यक्तियों का समूह किसी घर की छत पर या घर के अन्दर अथवा सड़क अथवा सड़क के किनारे या गली में अथवा उसके किनारे अथवा किसी भी स्थान पर ईंट पत्थर या ईंट के टुकड़े या ऐसी सामग्री, जिससे चोट पहुँचायी जा सके, न तो एकत्र करेगा और न ही किसी दूसरे से करायेगा और न ही किसी को ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं का अनुमन्य सीमा से अधिक का मण्डारण, कालाबाजारी अथवा उन्हें अधिक कीमत पर नहीं बेचेगा। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता हुआ पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध ई०सी०एक्ट आदि विधियों के अन्तर्गत कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, कोई भी व्यक्ति इस निषेधाज्ञा की एक या एक से अधिक शर्तों का उल्लंघन करता है, तो वह भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के अन्तर्गत दण्ड का भागी होगा। पुलिस को यह अधिकार होगा कि निषेधाज्ञा के उल्लंघन करने वाले को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेज दें। यह निषेधाज्ञा तत्काल प्रभाव से दिनांक 10 फरवरी से 25 मार्च तक लागू रहेगी, जिसमें दोनों दिन सम्मिलित है। इस निषेधाज्ञा का व्यापक प्रचार-प्रसार समस्त उपजिला मजिस्ट्रेट, तहसीलदार/खण्ड विकास अधिकारी/समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका/नगर पंचायतें एवं थानाध्यक्ष अपने-अपने स्तर से अपने-अपने क्षेत्र में करायेंगे और इसकी एक प्रति अपने-अपने कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करायेंगे।

नीतीश कटारा हत्या मामले में विकास यादव को लगा झटका, दिल्ली हाईकोर्ट का फरलो से इनकार

नई दिल्ली। नीतीश कटारा हत्या मामले में दोषी विकास यादव की तीन सप्ताह की फरलो देने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि जेल से रिहाई की मांग वाली अर्जी खारिज करने के जेल महानिदेशक के आदेश में कोई मनमानी या उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं हुआ है। नीतीश कटारा की 2002 में अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। विकास की बहन के साथ रिश्ते होने के कारण नीतीश कटारा की हत्या की गई थी। जेल अधिकारियों के फैसले को सही ठहराया विकास यादव ने जेल अधिकारियों के 29 अक्टूबर 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी फरलो

आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया था। फरलो जेल से अस्थायी रिहाई होती है, जो पूरी सजा को निलंबित या माफ नहीं करती, बल्कि लंबे समय तक सजा काट चुके कैदियों को सामान्यतः कुछ समय के लिए दी जाती है। इसी क्रम में हाईकोर्ट ने विकास यादव की फरलो याचिका को खारिज करते हुए जेल अधिकारियों के फैसले को सही ठहराया है। मामले का इतिहास विकास यादव उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता डीपी यादव का बेटा है। उसके चचेरे भाई विशाल यादव को भी नितीश कटारा के अपहरण और हत्या के मामले में सजा सुनाई गई थी। दोनों भाइयों को नितीश कटारा और उनकी बहन भारती यादव के बीच कथित प्रेम संबंध से आपत्ति थी, क्योंकि दोनों अलग-अलग जातियों से थे। सुप्रीम कोर्ट का फैसला तीन अक्टूबर 2016 को सुप्रीम कोर्ट ने विकास यादव और विशाल यादव को नितीश कटारा के अपहरण और हत्या में भूमिका के लिए 25 साल की सजा (बिना किसी छूट या रिमिशन के) सुनाई थी। सह-अपराधी सुखदेव यादव को 20 साल की सजा दी गई थी। क्या है नितीश कटारा हत्याकांड? 16-17 फरवरी 2002 की दरमियानी रात को एक शादी समारोह से नितीश कटारा का अपहरण किया गया था। इसके बाद भारती यादव के साथ कथित संबंध के कारण उनकी हत्या कर दी गई थी। यह मामला देश में काफी चर्चित रहा था।

रोशनआरा क्लब रहा है रईसों का मनपसंद, 22 एकड़ में सहेजा ऑस्कर विजेता गांधी की शूटिंग से बीसीसीआई की स्थापना तक का इतिहास

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक रोशनआरा क्लब अब दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) रोशनआरा क्लब के रूप में जाना जाता है। इस क्लब का संभ्रांत इतिहास रहा है। बीसीसीआई की जन्मस्थली रहे इस क्लब के मैदान में वर्ष 1982 की ऑस्कर विजेता फिल्म 'गांधी' के एक दृश्य की शूटिंग भी हुई थी। बीसीसीआई की है जन्मस्थली एक समय रोशनआरा क्लब देश की राजधानी दिल्ली में क्रिकेट का केंद्र कहा जाता था। इस क्लब की स्थापना 15 अगस्त, 1922 को हुई थी। इसे भारतीय क्रिकेट का पालना भी माना जाता है, क्योंकि यहीं पर वर्ष 1927-28 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की नींव रखी गई थी। हालांकि, रोशनआरा क्लब अब दिल्लीवासियों के लिए खेल, मनोरंजन और विरासत का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। बता दें कि बीसीसीआई दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है, जिसकी कुल संपत्ति (नेटवर्थ) 2024-25 में लगभग 20,686 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। पिछले 5 वर्षों में बोर्ड ने 14,627 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जोड़ी है। क्यों रोशनआरा क्लब आया चर्चा में? आजकल यह क्लब एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल, 29 सितंबर, 2023 को डीडीए द्वारा कब्जे में लिए जाने और लगभग दो साल के जीर्णोद्धार के बाद इसे पुन. चालू कर दिया गया है। क्लब ने 10 फरवरी, 2026 को 637 (339 गैर-सरकारी और 298 सरकारी श्रेणी) नए लाइफटाइम सदस्यों के प्रवेश के साथ अपनी सेवाएं आधिकारिक तौर पर दोबारा शुरू कर दी हैं। रईसों का रहा है मनपसंद ठिकाना ब्रिटिश काल के बड़े अधिकारियों, मेमसाहिबों से लेकर स्वतंत्रता के बाद के प्रारंभिक वर्षों में दिल्ली के राजनेता, जज और उभरते हुए रईस चेहरे इस क्लब में समय बिताने आते थे। यहां की दीवारों ने दिल्ली के कई राज सुन रखे हैं। लजीज व्यंजन, महंगी शराब और शानदार बिलियर्ड्स रूम के साथ यह क्लब दिलवालों के शहर दिल्ली के अमीरों का मनपसंद ठिकाना रहा है। इस क्लब के मैदान में ऑस्कर विजेता रही 'गांधी' फिल्म की शूटिंग भी हुई थी। 1982 में बनी रिचर्ड एटनबरो की फिल्म 'गांधी' ने 55वें ऑस्कर समारोह (1983) में कुल 8 ऑस्कर पुरस्कार जीते थे।

'दिल्ली में और कितनी जानें लेंगे ये मौत के गड्ढे', रोहिणी हादसे पर फूटा केजरीवाल का गुस्सा

नई दिल्ली। रोहिणी के सेक्टर-32 में मंगलवार शाम को खुले मैनहोल में गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। इस घटना को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रेखा गुप्ता सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप संयोजक ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "बीजेपी ने सिर्फ 1 साल में ही पूरी दिल्ली का सत्यानाश कर दिया है। इन्हें जनता की जान की भी कोई परवाह नहीं है। आखिर और कितनी जानें लेकर होश में आएगी ये लापरवाह सरकार?" उल्लेखनीय

है कि दिल्ली-एनसीआर में बीते कुछ दिनों में प्रशासन की लापरवाही से कई लोगों की जान गई है। हाल ही में नोएडा में बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से युवराज की मौत हुई थी, इसके बाद दिल्ली के जनकपुरी में जल बोर्ड की तरफ से सीवर के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरने युवक कमल ध्यानी की जान गई और अब मंगलवार शाम रोहिणी सेक्टर-32 में डीडीए के खुले नाले में गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। पीडब्ल्यूडी ने दुर्घटना संभावित स्थानों के निरीक्षण के दिए निर्देश जनकपुरी में सीवर के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) हरकत में आया है। विभाग ने दुर्घटना संभावित सभी स्थानों के निरीक्षण के निर्देश जारी किए हैं।

विभाग ने अधिकारियों को शहर के फ्लाईओवर, अंडरपास, सड़क किनारे बने नालों और स्ट्रीट लाइटों की जांच करने को कहा है।

89 किमी के सफर में 65 स्टेशन और 21 इंटरचेंज, मजेंटा लाइन बनेगी दिल्ली मेट्रो का सबसे बड़ा कॉरिडोर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के अंतर्गत बन रहा इंद्रप्रस्थ-इंद्रलोक कॉरिडोर ग्रीन लाइन की जगह मजेंटा लाइन का हिस्सा होगा। इसके चालू होने के बाद मजेंटा लाइन बॉटनिकल गार्डन से इंद्रलोक तक होगा। इससे इसकी कुल लंबाई 39.271 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 89 किलोमीटर हो जाएगी इससे यह दिल्ली मेट्रो का सबसे लंबा कॉरिडोर हो जाएगा। अभी सबसे लंबा कॉरिडोर पिंक लाइन है। इसकी लंबाई अभी 59.242 किलोमीटर है और विस्तार के बाद लगभग 71.5 किलोमीटर हो जाएगी। सबसे लंबा कॉरिडोर होने के साथ ही तकनीकी रूप से भी इसका विशेष महत्व है। 11.9 किलोमीटर लंबा इंद्रप्रस्थ-इंद्रलोक कॉरिडोर को पहले ग्रीन लाइन का (कीर्ति नगर/इंद्रलोक से ब्रिगेडियर होशियार सिंह) का विस्तार में शामिल किया गया था। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने इसे बदलकर मजेंटा लाइन (नोएडा के बॉटनिकल गार्डन से जनकपुरी पश्चिम) के विस्तार में शामिल किया है। पहले मजेंटा लाइन का जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम तक विस्तार किया जाना था। हाल ही में केंद्र सरकार ने फेज पांच (ए) के अंतर्गत सेंट्रल विस्टा को जोड़ने के लिए आरके आश्रम से इंद्रप्रस्थ तक कॉरिडोर की अनुमति दी है। इस कारण इंद्रप्रस्थ-इंद्रलोक कॉरिडोर को अब मजेंटा लाइन में शामिल किया गया है। इंद्रलोक मजेंटा लाइन का टर्मिनल स्टेशन होगा। यहां यात्रियों को ग्रीन लाइन और रेड लाइन का इंटरचेंज मिलेगा। इस कॉरिडोर पर पड़ने वाले इंटरचेंज स्टेशन परियोजना के पूर्ण होने पर बॉटनिकल गार्डन से इंद्रलोक तक मजेंटा लाइन पर कुल 65 स्टेशन होंगे। इनमें से 40 स्टेशन भूमिगत होंगे। यह सर्वाधिक भूमिगत स्टेशनों व इंटरचेंज स्टेशनों के साथ दिल्ली मेट्रो का सबसे लंबा कॉरिडोर होगा। इस लाइन पर कुल 21 इंटरचेंज स्टेशन होंगे। वर्तमान में इस पर कालकाजी मंदिर, बॉटनिकल गार्डन, जनकपुरी पश्चिम और हौज खास चार इंटरचेंज स्टेशन हैं। फेज चार और फेज पांच (ए) का काम पूरा होने पर 17 और इंटरचेंज स्टेशन बन जाएंगे। इनमें कालिंदी कुंज, चिराग दिल्ली, टर्मिनल-1 आईजीआई एयरपोर्ट, पीरागढ़ी, पीतमपुरा (मधुबन चौक), हैदरपुर बादली मोड़, मजलिस पार्क, आजादपुर, पुलबंगश, नबी करीम, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, शिवाजी स्टेडियम, केंद्रीय सचिवालय, इंद्रप्रस्थ, दिल्ली गेट, नई दिल्ली और इंद्रलोक शामिल हैं। इनमें से केंद्रीय सचिवालय, आजादपुर, नई दिल्ली और इंद्रलोक ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन होंगे।

दिल्ली में 75 ड्रग्स माफिया पर शिकंजा, 29 करोड़ की संपत्ति जब्त; 40 अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहाया

नई दिल्ली। राजधानी को ड्रग्स मुक्त करने के अभियान के तहत दिल्ली पुलिस सवा दो साल के दौरान राजधानी के 75 ड्रग्स माफिया के खिलाफ वित्तीय जांच कर उनकी 29.13 करोड़ की संपत्ति जब्त कर चुकी है। इनमें 40 ड्रग्स माफिया की उन संपत्तियों को बुलडोजर से ढहा भी दिया गया है, जिन्होंने बिल्डिंग बायलाज का उल्लंघन किया था और ड्रग्स बेचकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित कर बिल्डिंग बनाई थी। पुलिस ने ड्रग्स माफिया के 20 वाहनों के परमिट भी रद करा दिए।सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर आपसी समन्वय बनाकर इस तरह की कार्रवाई की गई। नौ ड्रग्स माफिया के खिलाफ वित्तीय जांच अंतिम

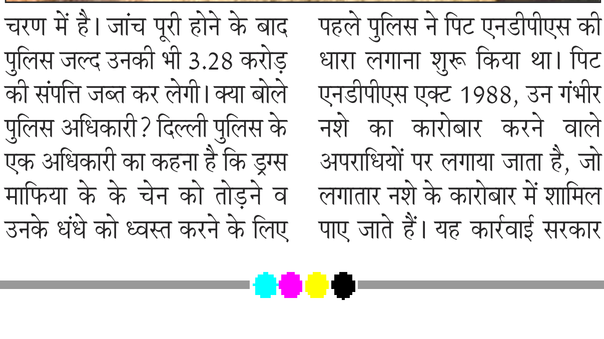

चरण में है। जांच पूरी होने के बाद पुलिस जल्द उनकी भी 3.28 करोड़ की संपत्ति जब्त कर लेगी। क्या बोले पुलिस अधिकारी? दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी का कहना है कि ड्रग्स माफिया के के चेन को तोड़ने व उनके धंधे को ध्वस्त करने के लिए पहले पुलिस ने पिट एनडीपीएस की धारा लगाना शुरू किया था। पिट एनडीपीएस एक्ट 1988, उन गंभीर नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों पर लगाया जाता है, जो लगातार नशे के कारोबार में शामिल पाए जाते हैं। यह कार्रवाई सरकार की ओर से की जाती है। यह उन अपराधियों के खिलाफ लगाया जाता है, जिनका जेल में बंद किया जाना जरूरी है। इसमें एक साल से अधिक समय तक ड्रग्स माफिया को जमानत नहीं मिल पाती है। 2021 में पुलिस ने ड्रग्स माफिया पर पिट एनडीपीएस लगाना शुरू किया था। तब से अब तक पांच साल के दौरान पुलिस 30 ड्रग्स माफिया पर पिट एनडीपीएस एक्ट लगा चुकी है। इस साल गृह मंत्रालय के निर्देश पर पुलिस ने पिट एनडीपीएस लगाने की कार्रवाई और तेज कर दी है। इस साल 18 ड्रग्स माफिया पर पिट एनडीपीएस लगाने का प्रस्ताव स्क्रीनिंग कमेटी के पास भेज दिया गया है, जिनमें नौ मामलों में कमेटी ने अनुमति दे भी दी है।

टी20 विश्वकप : नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरूवार को नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के टी20 विश्वकप मुकाबले में बड़ी जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था। वहीं इस मैच में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर आसान जीत हासिल करना रहेगा। इस बार कमजोर टीमों ने भी सभी को हैरान किया है इसलिए भारतीय इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम को इसके बाद पाकिस्तान से भी खेलना है। ऐसे में इस मैच से उसे अभ्यास को भी अच्छा अवसर मिलेगा।

भारतीय टीम को पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी से जीत मिली थी पर इस मैच में सभी अन्य बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा। भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबियत ठीक नहीं है और इस कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ईशान किशन और संजू सैमसन पारी की शुरआत कर सकते हैं। इसस मैच में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस मैच में वापसी तय है। ऐसे में अलावा मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह में से किसी को बाहर बैठना होगा। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को शुरू से ही आक्रामक होना होगा और स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी साझेदारी बनानी होगी जिससे वे एक बड़ा स्कोर बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके गेंदबाजों के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन हरेगा।

भारत अंतिम ग्यारह

सूर्यकुमार यादव (कप्तान),इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

सचिन ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर बेटे अर्जुन की शादी का निमंत्रण दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आज अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर उनकी होने वाली बहू सानिया चंडोक भी साथ में थीं। इस मुलाकात की तस्वीरें स्वयं सचिन ने सोशल मीडिया पर साझा कीं हैं।

सचिन ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीरें जारी करते हुए इसे परिवार के लिए सम्मान की बात बताया। उन्होंने लिखा कि अर्जुन और सानिया की शादी का आमंत्रण प्रधानमंत्री को देकर पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। सचिन ने युवा जोड़े के लिए प्रधानमंत्री के आशीर्वाद और उनकी सलाह के लिए भी आभार जताया। पोस्ट में पूरे परिवार के साथ प्रधानमंत्री की तस्वीरें और अर्जुन-सानिया के साथ एक विशेष तस्वीर भी शामिल थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुन और सानिया की शादी से जुड़े कार्यक्रम मार्च के पहले हफ्ते में शुरू होंगे। शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू होने की संभावना है, जबकि 5 मार्च को विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। शादी में केवल परिवार के करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। समारोह मुंबई में आयोजित किए जाने की चर्चा है। सानिया मुंबई के जाने-माने कारोबारी रवि घई की पोती हैं। सानिया ने अपनी पेशेवर पहचान खुद बनाई है और कारोबार व शिक्षा दोनों क्षेत्रों में सक्रिय रही हैं। इस दंपत्ति ने पिछले साल अगस्त में बेहद निजी समारोह में सगाई की थी, जिसमें केवल करीबी लोग मौजूद थे। वहीं अर्जुन सचिन तेंदुलकर आईपीएल के अलावा घरेलू क्रिकेट में गोवा से खेलते हैं।

ज़म्पा और एलिस के 'चक्रव्यूह' में फंसा आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया की 67 रनों से बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड पर शानदार जीत दर्ज की और मेहमान टीम को मात्र 115 रनों पर रोककर 67 रनों से विजयी रही। अनुशासित गेंदबाजी और बल्लेबाजों के महत्वपूर्ण योगदान के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने शुरू से अंत तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग संभावित रूप से हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सिर्फ एक रन बनाकर संन्यास ले लिया। दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर हैरी टेक्टर तीन गेंदों में शून्य पर आउट हो गए।

तीसरे ओवर में तेज गेंदबाज नाथन एलिस द्वारा आउट किए जाने के बाद सलामी बल्लेबाज रॉस एडायर 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत की और आयरलैंड का स्कोर 13/2 हो गया। कर्टिस कैम्फर (4), बेंजामिन कैलिट्ज़ (2) और गैरेथ डेलानी (11) के विकेट गिरने के बाद आयरलैंड ने जल्दी-जल्दी तीन विकेट गंवा दिए और सातवें ओवर के अंत तक आयरलैंड का स्कोर 43/5 हो गया।

लोरकान टकर और जॉर्ज डॉकरेल ने 46 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, लेकिन 14वें ओवर में एडम ज़म्पा ने टकर को 24 रन पर आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने निचले क्रम के सभी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर 67 रनों से जीत हासिल की और टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस (4/12) और एडम ज़म्पा (4/23) ने चार-चार विकेट लिए। मैथ्यू कुहनेमैन (1/29) भी विकेट लेने वालों में शामिल थे। इससे पहले, मार्कस स्टोइनिस की जुझारू पारी, जिसमें जोश इंग्लिस और मैट रेनशॉ का महत्वपूर्ण योगदान रहा, ने ऑस्ट्रेलिया को 182/6 के स्कोर तक पहुँचाया। स्टोइनिस अपनी टीम के लिए 29 गेंदों में 45 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि इंग्लिस और रेनशॉ ने 37-37 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। हेड और जोश इंग्लिस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत की। हेड पहले ओवर में चौका लगाने के बाद दूसरे ओवर में छह रन बनाकर रन आउट हो गए। पहले ओवर में पांचवीं गेंद पर कैलिट्ज़ ने पॉइंट पर उनका कैच छोड़ दिया था। इंग्लिस और कैमरन ग्रीन ने तेजी से रन बनाना शुरू किया और दोनों ने आयरिश गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। ग्रीन ने 11 गेंदों में 21 रन बनाकर तेज शुरुआत की, लेकिन इसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके क्योंकि पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर मार्क एडायर ने मिड-विकेट पर उन्हें आउट कर दिया।

टी20 वर्ल्ड कप: दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे सुपर ओवर में हासिल की जीत

-4 रनों से हारा अफगानिस्तान

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने यहां हुए बेहद रोमांचक आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को दूसरे सुपर ओवर में चार रनों से हरा दिया। इस प्रकार अफगान टीम जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। इस मैच में जीत के लिए मिले 188 रनों का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 13 रन चाहिए थे पर मैच टाई रहा। इसके बाद सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने भी ओवर की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर मैच टाई कर दिया। इसके बाद दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने 23 रन बजाया जिसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 19 रन ही बना सकी और मुकाबला मुकाबला हार गयी।

इससे पहले - क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन के अर्धशतकों से दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 187 रन बनाए हैं।। इस मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान एडन मार्करम 8 गेंद पर 5 रन बनाकर शुरुआत में ही फजलहक फारुखी की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद डिकॉक और रिकल्टन ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर पारी को संभाला।

डिकॉक और रिकल्टन ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम के कप्तान राशिद खान ने डिकॉक और रिकल्टन को एक ही ओवर में आउट कर दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बना दिया।

डिकॉक ने 41 गेंदों पर 3 छक्कों और 5 चौकों की सहायता से 59 रन बनाये जबकि रिकल्टन ने 28 गेंद पर 4 छक्कों और 5 चौकों की सहायता से 61 रन बनाये। डेवाल्ड ब्रेविस ने 23 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स केवल एक रन ही बना पाये।

डेविड मिलर ने अंत में 15 गेंद पर 20 रन और मार्को जानसेन ने 7 गेंद पर 16 रन बनाकर पारी को 187 तक पहुंचाया।

अफगानिस्तान की ओर से राशिद खान ने 28 रन देकर 2 विकेट जबकि फजलहक फारुखी ने 4 ओवर में 32 रन देकर 1 विकेट लिया। अजमतुल्ला ओमरजाई ने 41 रन देकर 3 खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की ओर से सलामी बल?लोबज रहमानुल्लाह गुरबाज ने अर्धशतक लगाया। गुरबाज ने 84 रन बनायसे। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 छक्के और 4 चौके लगाए। ओपनर इब्राहिम जादरान ने 12 रन लगाए। मध्य क्रम में किसी भी बैटर का बल्ला नहीं चला।

गुलबदीन नायब और सिद्दीकुल्लाह अटल का खाता तक नहीं खुला। दरविश रसूली 15 के स?कोर पर रन आउट हुए। अजमतुल्लाह उमरजई ने 22, मोहम्मद नबी ने 5 और राशिद खान ने 12 गेंदों पर 20 रन जड़े। मुजीब उर रहमान भी बिना कोई रन बनाए वापस लौटे। नूर अहमद ने 9 गेंदों पर 15 रन जड़कर मुकाबले को सुपर ओवर में पहुंचा दिया। इस दौरान नूर ने 2 सिक्स लगाए।

अभिषेक शर्मा को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट ओपनर अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल में रहने के बाद छुट्टी मिल गई है लेकिन नामीबिया के खिलाफ गुरुवार को होने वाले टी20 वर्ल्ड कप मैच में उनका खेलना अभी तय नहीं है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा ने कहा कि अभिषेक के खेलने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। तिलक वर्मा ने पत्रकारों से कहा, 'अभिषेक को आज अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। कल के मैच में उसके खेलने पर फैसला लेने के लिए अभी समय है।अभिषेक अमेरिका के खिलाफ शनिवार को मुंबई में खेले गए पहले मैच में पहली गेंद पर आउट हो गए थे और इसके बाद उन्होंने मैच में आगे हिस्सा नहीं लिया था। उनकी जगह संजू सैमसन ने फीील्डिंग की थी। माना जा रहा है कि मैच के दौरान उनकी तबीयत खराब थी और दिल्ली पहुंचने के बाद और बिगड़ गई।

अर्शदीप नामीबिया के खिलाफ 4 विकेट लेते ही तोड़ देंगे अश्विन का रिकार्ड

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मुकाबले में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अर्शदीप इस मैच में अगर चार विकेट लेते हैं तो वह दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के भारत की ओर से विश्वकप में सबसे अधिक 32 विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ देंगे। अभी अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं। अर्शदीप ने अब तक 15 टी20 विश्व कप मैच खेले हैं, जिनमें 29 विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने 2022 में पहली बार टी20 विश्व कप खेला था। इसके बाद 2024 में वह विजेता टीम का हिस्सा रहे और अब अपना तीसरा टी20 विश्व कप खेल रहे हैं। टी20 विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं। वहीं ओवरऑल गेंदबाजों की सूची में अर्शदीप 19वें स्थान पर और अश्विन 13वें स्थान पर हैं। साल 2007 से खेले जा रहे टी20 विश्व कप में अभी तक शीर्ष पांच में एक भी भारतीय गेंदबाज शामिल नहीं है। विश्वकप में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं। बुमराह ने कुल 26 विकेट लिए हैं।

टी20 विश्व कप बहिष्कार का फैसला बांग्लादेश सरकार का नहीं क्रिकेट बोर्ड का था : नजरुल

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के बहिष्कार में सरकार की कोई भूमिका नहीं थी और ये फैसला पूरी तरह से क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने लिया था। इससे पहले बीसीबी ने कहा था कि वह सुरक्षा कारणों से भारत में विश्वकप नहीं खेलेगा। जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी जगह पर स्काटलैंड को शामिल कर लिया। तब उस समय कहा जा रहा था कि टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने की बात सरकार ने कही थी और इसलिए बीसीबी ने नहीं खेलने का फैसला किया। वहीं अब खेल सलाहकार के अनुसार ये फैसला क्रिकेट बोर्ड और उनके खिलाड़ियों का था। उन्होंने राष्ट्र के सम्मान के लिए विश्व कप तक को छोड़ दिया।

वहीं गत माह जनवरी में खिलाड़ियों से मिलने के बाद, नजरुल ने साफ कहा था कि बांग्लादेश के विश्व कप में भाग लेने का फैसला सरकार के रुख पर आधारित रहेगा।

जनवरी में नजरुल ने मीडिया से कहा, 'बैठक का मकसद बस खिलाड़ियों को यह समझाना था कि सरकार ने यह फैसला क्यों लिया। मुझे लगता है कि वे समझ गए थे। यही मकसद था और कुछ नहीं। मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम विश्व कप में खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।'

वहीं अब नजरुल ने कहा, विश्व कप में नही खेलने पर कोई दुख नहीं है। यह फैसला बोर्ड और खिलाड़ियों ने लिया था, क्योंकि उन्होंने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, लोगों की सुरक्षा और देश की इज्ज़त की रक्षा के लिए कुर्बानी दी थी। आईसीसी ने भी कहा है कि कोई प्रतिबंध नहीं लगेग और बांग्लादेश को आगे भी मेजबानी मिलेगी। ये हमारे बोर्ड के कड़े रुख की जीत है।

मारिन सिलिच 600 जीत हासिल करने वाले बने दूसरे सक्रिय खिलाड़ी बने

डलास । मंगलवार को नेक्सो डलास ओपन में लर्नर टिएन के खिलाफ मिली मारिन सिलिच की 600वीं टूर-लेवल जीत, उनकी कंसिस्टेंसी और लंबे समय तक टिके रहने की झलक है, इन खूबियों ने उन्हें आज के महान खिलाड़ियों में जगह बनाने में मदद की है। एटीपी टूर पर दो दशकों में, जिसका ज़्यादातर हिस्सा 'बिग थ्री' युग में मुकाबला करते हुए बीता, क्रोएशियाई खिलाड़ी न केवल टिका रहा, बल्कि आगे भी बढ़ा है। 37 साल के सिलिच इस खेल के सबसे कड़े कॉम्पिटिटर में से एक हैं, जिनके पास उतनी ही जबरदस्त बेसलाइन फायरपावर है। साथ ही, 21 बार टूर-लेवल टाइटल जीतने वाले सिलिच शांत अंदाज़, आसान मुस्कान और सच्ची दयालुता के बीच संतुलन बनाते हैं, जो खिलाड़ियों और फैंस दोनों को पसंद आता है। सिलिक के नाम सक्रिय खिलाड़ियों में दूसरी सबसे ज़्यादा जीत हैं, जो सिर्फ़ नोवाक जोकोविच (1,168 और गिनती जारी है) से पीछे हैं। अपनी 600वीं टूर-लेवल जीत हासिल करके, सिलिच अब तक के सबसे ज़्यादा जीत हासिल करने वाले क्रोएशियाई खिलाड़ी बन गए, उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 गोरान इवानिसेविच को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 599 टूर-लेवल जीत हासिल की थीं। सिलिच के करियर की एक खास बात 2014 में यूएस ओपन में आई, जहां उन्होंने अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी उठाई। सिलिच ने फाइनल में जापान के केई निशिकोरी को हराया, इसके कुछ ही पहले उन्होंने सेमीफ़ाइनल में पाँच बार के चैंपियन रोजर फेडरर को हराया था। यह जीत फ़ेडरर के ख़िलाफ सिलिच की 11 एटीपी हेड2हेड भिड़ंत में अकेली जीत थी।

सबसे ज्यादा टूर-लेवल जीत प्लेयर जीत (सक्रिय खिलाड़ी)

नोवाक जोकोविच - 1,168, मारिन सिलिच - 600, स्टेन वावरिंका - 586, गाएल मोंफिल्स - 583, अलेक्जेंडर ज्वेरेव - 526

टी20 विश्वकप से बाहर हुए न्यूजीलैंड के ब्रेसवेल, मैककॉनची शामिल

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गए हैं। ब्रेसवेल का बाहर होना कीवी टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि वह अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। ब्रेसवेल के बांए पैर की पिंडली की पुरानी चोट अभ्यास के दौरान उभर आई। जांच में उनकी चोट गंभीर पायी गयी है। विशेषज्ञों के अनुसार उन्हें पूरी तरह फिट होने में तकरीबन तीन सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में वह विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे। उनकी जगह पर अब ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर कोल मैककॉनची को टीम में शामिल किया गया है ।वह 13 फरवरी को टीम से जुड़ेंगे। ब्रेसवेल को पिछले माह जनवरी में भारत दौरे के समय तीसरे एकदिवसीय के दौरान भी चोट लगी थी, जिसके बाद उन्होंने लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम पूरा किया था पर वापसी के बाद उनकी चोट फिर उभर आई। उनकी जगह पर शामिल मैककॉनची ने अंतिम बार अप्रैल 2024 में न्यूजीलैंड की ओर से खेला था। घरेलू टी20 सर्किट में उन्होंने 14 विकेट लिए और इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 7.71 रही। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा हम सभी ब्रेसवेल के लिए दुखी हैं। विश्वकप से बाहर होना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता है। न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए बहुत अहम होता है। उन्होंने वापसी के लिए काफी प्रयास किया पर वह फिर चोटिल हो गए। हम उनके शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं। न्यूजीलैंड की टीम को 14 फरवरी को ग्रुप डी में अपने तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करना है। अब देखना है कि इसमें मैककॉनची किसने सफल रहते हैं।

आईसीसी रैंकिंग : अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम, सिकंदर रजा बने नंबर 1 ऑलराउंडर

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा बरकरार है। ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में नंबर 1 स्थान पर बने हुए हैं, जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इस बीच जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने शानदार प्रदर्शन के दम पर टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच जारी इन रैंकिंग्स ने क्रिकेट जगत में नई चर्चा छेड़ दी है।

बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा का जलवा

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 909 रेटिंग अंकों के साथ टी20आई बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के फिल साल्ट (821), पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (769), इंग्लैंड के जोस बटलर (766) और श्रीलंका के पथुम निसांका (754) को पीछे छोड़ रखा है। रैंकिंग में अन्य खिलाड़ियों ने भी छलांग लगाई है। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस ने छह स्थान की बढ़त लेकर 12वां स्थान हासिल किया। स्कॉटलैंड के जॉर्ज मुनसे, भारत के ईशान किशन और नीदरलैंड्स के माइकल लेविट ने भी उल्लेखनीय सुधार किया है।

गेंदबाजों की सूची में वरुण चक्रवर्ती आगे

टी20आई गेंदबाजों की रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर बने हुए हैं और पाकिस्तान के अबरार अहमद से मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। चक्रवर्ती की लगातार प्रभावी गेंदबाजी ने उन्हें नंबर 1 बनाए रखा है। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवां स्थान हासिल किया है और वह टॉप 10 में सबसे बड़ा बदलाव करने वाले गेंदबाज हैं। इसके अलावा, अर्शदीप सिंह (तीन स्थान ऊपर, 11वें), सलमान मिर्जा (नौ स्थान ऊपर, 13वें), ब्रैड इवांस (16 स्थान ऊपर, 15वें), मिशेल सेंटनर (चार स्थान ऊपर, 19वें) और ब्रैडली करी (25 स्थान ऊपर, 24वें) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

सिकंदर रजा बने नंबर 1 टी20आई ऑलराउंडर

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। कोलंबो में ओमान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजा ने गेंद और बल्ले दोनों से अहम योगदान दिया। उन्होंने चार ओवर में 1/17 का किफायती स्पेल डाला, जिससे ओमान की टीम सिर्फ 103 रन पर सिमट गई। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए रजा ने विजयी रन बनाकर टीम को आठ विकेट से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ और उन्होंने पाकिस्तान के सैम अयूब को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि उन्होंने पहली बार पिछले साल के अंत में पाई थी और अब दोबारा नंबर 1 बन गए हैं।

धवन बने दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को खेल महाकुंभ का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि धवन ने दिल्ली सरकार की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए स्वयं यह जिम्मेदारी स्वीकार की है। वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने धवन का आभार जताते हुए दिल्ली के खिलाड़ियों के प्रति उनके योगदान की प्रशंसा की है। दिल्ली सरकार को भरोसा है कि धवन के मार्गदर्शन और प्रेरणा से युवा खिलाड़ियों में नया उत्साह जगेगा और उन्हें नई पहचान मिलेगी। दिल्ली खेल महाकुंभ 13 फरवरी से शुरू होगा। इस दौरान उद्घाटन समारोह से लेकर पूरे आयोजन के दौरान धवन खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएंगे। धवन ने कहा कि दिल्ली ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और अब उसे लौटाने का समय आ गया है। इस कारण वह अपने योगदान के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए अच्छा मंच तैयार किया है जिसमें वह अपना पूरा सहयोग देंगे।

'भागम भाग 2' में हुई मनोज बाजपेयी की एंट्री! गोविंदा को करेंगे रिप्लेस?

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी कल्ट फिल्मों के सीक्वल बनाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में अब साल 2006 में आई कल्ट कॉमेडी फिल्म 'भागम भाग' का सीक्वल भी बनने जा रहा है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि फिल्म इस साल फ्लोर पर आ जाएगी। इस बीच अब 'भागम भाग 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

गोविंदा की जगह लेंगे मनोज

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भागम भाग 2' की कास्ट में एक बड़ा बदलाव किया गया है। सीक्वल में जहां अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी हुई है। वहीं गोविंदा की जगह फिल्म में मनोज बाजपेयी नजर आ सकते हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने मनोज बाजपेयी को कास्ट कर लिया है। मनोज बाजपेयी फिल्म में गोविंदा की जगह लेंगे। यह खबर हाल ही में सामने आई है। 'भागम भाग' में गोविंदा के किरदार को काफी पसंद किया गया था। उनकी कॉमिक टाइमिंग वैसे भी काफी पसंद की जाती है। ऐसे में अब गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी को लेना, कितना कारगर रहेगा ये तो फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल अभी तक मेकर्स की ओर से 'भागम भाग 2' की कास्ट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राज शांडिल्य करेंगे निर्देशन

फिल्म को लेकर अभी तक आ रहीं खबरों के मुताबिक, सीक्वल का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे और इसकी कहानी भी पहचान को लेकर होने वाली गलतफहमी पर आधारित होगी। जबकि 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी अक्षय कुमार के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। जबकि मनोज बाजपेयी के अपोजिट नजर आने वाली हीरोइन की तलाश अभी जारी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई में शुरू होने की खबरें हैं।

अनुभव सिन्हा की इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी

तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है—और इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के

कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोजाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोज़िशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है। फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है। अस्सी 20 फरवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में विशेष रूप से रिलीज़ होगी।

सई मांजरेकर ने साझा किया 'द इंडिया हाउस' का अनुभव

भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्मों में काम करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस कड़ी में अभिनेत्री सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में एक साथ शूट की जा रही है। सई का कहना है कि इस तरह की फिल्म में काम करने के लिए कलाकार को हर समय भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा, ''द इंडिया हाउस' मेरे लिए अब तक का अलग अनुभव रहा है। जब एक ही सीन को दो भाषाओं में शूट किया जाता है, तो कलाकार को भाषा की लय, भाव और भावनात्मक गहराई को बारीकी के साथ समझना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सीन पहले एक भाषा में और तुरंत बाद दूसरी भाषा में करना होता है, जिससे कलाकार को हर पल सतर्क रहना पड़ता है।' उन्होंने कहा, ''इस तरह की फिल्मों में अभिनय का तरीका भी थोड़ा बदल जाता है। यहां सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से कहानी को आगे बढ़ाना होता है। हर भाषा की अपनी एक संवेदना होती है और उसी के अनुसार किरदार की भावनाएं भी बदलती हैं। ऐसे में कलाकार को अपने अभिनय को बार-बार ढालना पड़ता है, ताकि किरदार हर भाषा में उतना ही सच्चा लगे।'' सई ने कहा, ''मेरी पिछली फिल्म 'मेजर' की शूटिंग का अनुभव इस फिल्म में काफी काम आया। उस फिल्म से मुझे यह समझने में मदद मिली कि द्विभाषी फिल्मों की शूटिंग कैसे होती है और कलाकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग पहचान और चुनौतियां होती हैं। 'द इंडिया हाउस' की कहानी और उसका ऐतिहासिक संदर्भ इसे बाकी फिल्मों से अलग बनाता है।'' 'द इंडिया हाउस' फिल्म में सई मांजरेकर 'सती' नाम की महिला का किरदार निभा रही है। इस पर सई ने कहा, ''सती का किरदार निभाने के लिए मुझे उस समय के माहौल, सोच और भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। सती बाहर से शांत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर साहस, दर्द और संघर्ष छिपा है। इन भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के दर्शकों तक पहुंचाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी हैं।'' पैन-इंडिया फिल्मों की खास बात बताते हुए सई ने कहा, ''ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करने का सबसे अच्छा पहलू टीमवर्क होता है। सेट पर अलग-अलग राज्यों और भाषाओं से आए कलाकार और तकनीशियन एक साथ काम करते हैं। सबका लक्ष्य कहानी को ईमानदारी से पर्दे पर उतारना होता है। यह सामूहिक भावना कलाकार को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'' सई ने अपने सह-कलाकार निखिल सिद्धार्थ, निर्देशक वामसी और पूरी टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''सेट पर काम करने का माहौल बेहद सकारात्मक और कहानी पर केंद्रित रहता है। जब निर्देशक और पूरी टीम कहानी को लेकर गंभीर होती है, तो कलाकार भी अपने किरदार में और गहराई से उतर पाता है।''

आदित्य के साथ हॉरर थ्रिलर बनाएंगे करण जौहर

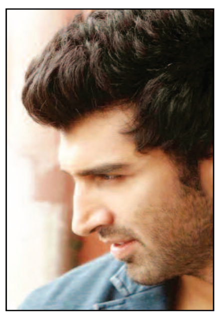

धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले करण जौहर एक नई हॉरर थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म पूरी तरह प्योर हॉरर जॉनर की होगी और इस वक्त कास्टिंग स्टेज में है। इससे पहले करण, कार्तिक आर्यन के साथ क्रिएचर कॉमेडी 'नागजिला' और एक क्रिएचर थ्रिलर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि इस हॉरर थ्रिलर में आदित्य रॉय कपूर को लीड रोल के लिए लॉक कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, आदित्य ने स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट पर आधारित फिल्म है और धर्मा प्रोडक्शंस को इसके थिएट्रिकल पोटेंशियल पर पूरा भरोसा है। इस फिल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने की तैयारी है। एक टॉप टियर फीमेल लीड को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है।

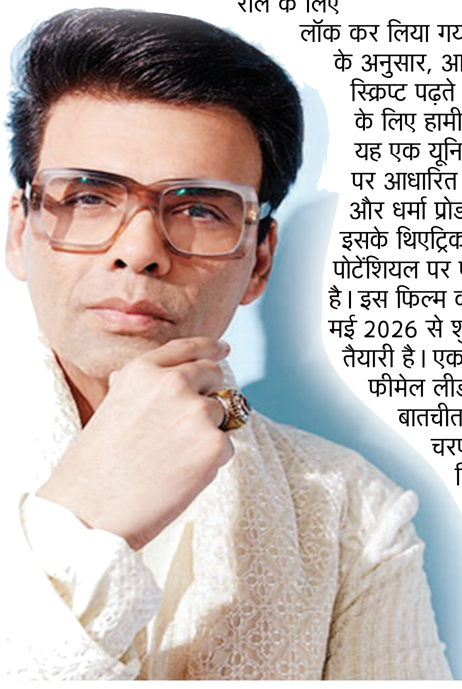

ऋतिक की 'कृष 4' में फाइनल चोपड़ा की एंट्री हुईं प्रियंका

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार... 'प्रियंका को ऋतिक रोशन की सुपरहिट फिल्म 'कृष 4' में फीमेल लीड के रूप में फाइनल कर लिया गया है। प्रियंका ने इस फ्रेंचाइज की पिछली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी, इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड की ओर फोकस किया और अपने पर्सनल लाइफ, खासकर शादी में बिजी हो गई थीं। फिल्म 'वाराणसी' का शूट पूरा करने के बाद प्रियंका 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगी। हालांकि अभी मेकर्स या प्रियंका की तरफ़ से कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। 'कृष 4' को ऋतिक 700 करोड़ रुपए के बजट पर बनाना चाहते हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट भी खुद ऋतिक करेंगे। बता दें कि 2003 में राकेश के निर्देशन में साइंस फिक्शन फिल्म 'कोई.... मिल गया' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया। 'कोई मिल गया' के बाद आई 'कृष', यह भी सुपरहिट रही। फिर राकेश रोशन ने 'कृष 3' के लिए लंबा इंतजार करवाया। 2006 में 'कृष' की सफलता के बाद 'कृष 3' 2013 में आई। इसमें विवेक ओबेरॉय विलेन बने थे। इस फिल्म के अलावा प्रियंका इन दिनों अपनी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे। यह एक बड़े बजट की फिल्म होगी।

सुनील शेट्टी ने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर बात की

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अब अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' के बंद होने की चर्चाएं एक बार फिर से उठी हैं। दरअसल, इस फिल्म के बंद होने की वजह अहान शेट्टी के सपोर्टिंग स्टाफ पर आने वाले अधिक खर्च को बताया गया था। कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि अहान शेट्टी के सहयोगी स्टाफ पर अधिक खर्च आने के कारण मेकर्स ने 'सनकी' फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब इन चर्चाओं पर अहान के पिता व अभिनेता सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है।

प्रोड्यूसर ने फैलाईं अफवाहें

2021 में अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के रिलीज होने के बाद उनकी अगली फिल्म 'सनकी' को अचानक रोक दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह फैसला अहान के साथ आए लोगों के कारण कथित तौर पर हुए खर्चों से बढ़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। अब लहरें रेट्रो के साथ बातचीत में अभिनेता सुनील शेट्टी ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर भी बात की। सुनील शेट्टी ने कहा कि अहान ने कभी भी अपने साथ आए लोगों को हद से ज्यादा नहीं रखा। ये सब अफवाहें हैं। ये अफवाहें निर्माता की सुविधा के लिए फैलाई गई हैं। अगर निर्माता कहता है कि वह बिल दिखा सकता है, तो मैं देखूंगा। ऐसे में पिता को दखल देना पड़ता है और मैं साफ तौर पर दखल दूंगा। अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए झूठ मत फैलाओ, क्योंकि यह अहान के साथ नाइंसाफी है।

अहान खुद उठाते हैं अपने स्टाफ का खर्च

सुनील शेट्टी ने आगे कहा कि अहान अपने साथ आने वाले लोगों को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। अगर वे उनके साथ आते हैं, तो उनका खर्च वही उठाते हैं। उन्हें इस बात का पूरा एहसास है। जब सुनील शेट्टी घर से खाना-पानी लाते हैं, तो मेरे स्टाफ को कहा गया है कि अगर आप यूनिट का खाना खा रहे हैं, तो ठीक है, लेकिन अगर आप बाहर से खाना मंगवाना चाहते हैं, तो बिल मेरे नाम से बनवाएं, निर्माता के नाम से नहीं। मेरा स्टाफ ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता, इसलिए अहान का स्टाफ तो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगा। अहान तो अभी-अभी इंडस्ट्री में आए हैं। यह उनका इंडस्ट्री में जमने का समय है, इसलिए कोई नखरे नहीं चलेंगे। ऐसा हो ही नहीं सकता।

कई रिपोर्ट्स में इन कारणों का भी किया गया जिक्र

कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि साजिद नाडियाडवाला ने शुरू में 'सनकी' को आगे बढ़ाया था और प्राइम वीडियो के साथ एक बड़ा डिजिटल सौदा भी किया था। हालांकि, इस सबके बावजूद सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स से कम कमाई के कारण प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। इसके साथ ही कथित तौर पर अहान के सपोर्ट स्टाफ का अत्यधिक खर्च भी इसका कारण बना। लेकिन अब सुनील शेट्टी ने अहान के सपोर्ट स्टाफ के खर्च की बात को झूठा करार दिया है।

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई एक्शन-रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। हालांकि, इसके बाद लगभग चार साल से अधिक समय तक वो बड़े पर्दे से दूर रहे। अब इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' अहान की दूसरी फिल्म है। फिल्म में उन्होंने नेवी ऑफिसर की भूमिका निभाई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वहीं अहान के काम को भी पसंद किया गया है।

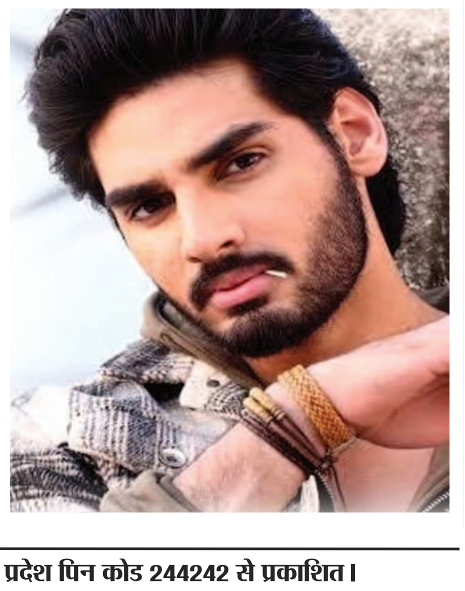

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।